संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 188
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
गुरूवार 08 अक्टूबर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू



Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

राहुल गांधी और प्रियंका समेत कई नेताओं पर दिल्ली में एफआईआर

• आकाशवाणी भवन में जबरन घुसने का आरोप

• दिल्ली पुलिस को विपक्ष के कई नेताओं के खिलाफ शिकायत मिली।

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और 'इंडिया' ब्लॉक के अन्य सांसदों के खिलाफ आकाशवाणी भवन में जबरदस्ती घुसने के मामले में शिकायत मिलने के बाद एफआईआर दर्ज की है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि दिल्ली पुलिस को विपक्ष के कई नेताओं के खिलाफ शिकायत मिली। इसी आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा



और अन्य सांसद आकाशवाणी भवन परिसर में जमा हुए थे। वे चुनाव आयोग के कार्यालय की ओर मार्च कर रहे थे। विपक्ष का यह प्रदर्शन मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में केंद्रित था, जिसमें विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की भी मांग की।

पुलिस की ओर से आगे बढ़ने से रोके जाने के बाद पहले विपक्ष के नेता सड़क पर बैठ गए और अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। बाद में राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को पुलिस बैरिकेड पर चढ़ते हुए देखा गया। पुलिस की ओर से रोके जाने के बावजूद कांग्रेस नेता और अन्य प्रदर्शनकारी स्वागत द्वार से आकाशवाणी भवन परिसर में घुस गए। प्रदर्शनों के दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य सांसदों को आकाशवाणी भवन और नीति आयोग कार्यालय के पास संसद स्ट्रीट पर रोक दिया गया। बाद में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा को परिसर के अंदर एक पेड़ के नीचे बैठे देखा गया।

पुलिस ने पहले ही चेतावनी दी थी कि आकाशवाणी भवन में प्रदर्शन को रातभर जारी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रदर्शनकारियों को परिसर छोड़ने के लिए कहा गया। पुलिस ने कहा कि इनकार करने वालों को हिरासत में लिया जाएगा। बाद में विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका और 'इंडिया ब्लॉक' के अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया था। हालांकि, कुछ घंटों बाद उन्हें रिहा कर दिया गया था।

चेक बाउंस केस: राजपाल यादव के पास 1.15 करोड़

• बाकी 85 लाख जमा करने को सुप्रीम कोर्ट ने दिया 13 अक्टूबर तक का वक्त

एजेंसी

नई दिल्ली । चेक बाउंस के सात मामलों में सजा का सामना कर रहे अभिनेता राजपाल यादव की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान राजपाल यादव की ओर से बताया गया कि 2 करोड़ रुपए जमा करने की शर्त के तहत 1 करोड़ 15 लाख रुपये की रकम का इंतजाम हो चुका है। वहीं, बाकी 85 लाख रुपये जमा करने के लिए एक जमीन के खरीदार का हवाला दिया गया है। राजपाल यादव के वकील ने कोर्ट को बताया कि अभिनेता की पुश्तैनी जमीन का एक खरीदार मौजूद है और वह 85 लाख रुपये देने के लिए तैयार है। खरीदार और जमीन बेचने वाले राजपाल यादव, दोनों कोर्ट में मौजूद हैं। जमीन की रजिस्ट्री को लेकर फिलहाल दिक्कत आ रही है। पितृ पक्ष चल रहा है और खरीदार अभी सेल डॉक्यूमेंट्स का रजिस्ट्रेशन नहीं कराना चाहता। वह नवरात्रि शुरू होने के बाद रजिस्ट्रेशन कराना चाहता है। वकील ने कोर्ट को बताया कि इसके बावजूद खरीदार 85 लाख रुपये एडवांस के तौर पर देने के लिए तैयार है, ताकि राजपाल यादव की ओर से जमा की जाने वाली कुल रकम 2 करोड़ रुपये तक पहुंच सके। हम रजिस्ट्री की जरूरत के हिसाब से रकम डिमांड ड्राफ्ट के जरिए जमा कर सकते है।इस पर सुप्रीम कोर्ट ने बाकी 85 लाख रुपये सोमवार तक आरटीजीएसके जरिए जमा करने के लिए 13 अक्टूबर तक का वक्त दिया। अब अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई में राजपाल यादव को 2 करोड़ रुपये जमा करने का आखिरी मौका दिया था। अदालत पहले भी अभिनेता की ओर से भुगतान में देरी और कोर्ट के आदेशों का पूरी तरह पालन नहीं किए जाने पर नाराजगी जता चुकी है। यह पूरा मामला मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े सात चेक बाउंस से जुड़ा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इनमें राजपाल यादव को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक मामले में तीन महीने की जेल की सजा सुनाई थी। सभी मामलों की सजा एक साथ चलने का आदेश दिया गया था। हाईकोर्ट के फैसले को राजपाल यादव और उनकी पत्नी राधा यादव ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अब नोटिस जारी किया है और राजपाल यादव को पैसे जमा करने के लिए आखिरी मौका दिया है।



उत्तराखंड के चमोली में 4.9 तीव्रता का भूकंप, कई हिस्सों में महसूस हुए झटके

देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले में 4.9 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके राज्य के कई पर्वतीय क्षेत्रों में महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से अब तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप रात 10 बजकर 23 मिनट 13 सेकंड पर आया। इसका केंद्र चमोली जिले में जमीन के भीतर 13 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप का केंद्र 30.103 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 79.561 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। भूकंप के झटके चमोली के अलावा रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, पौड़ी और आसपास के पर्वतीय क्षेत्रों में महसूस किए गए। रात के समय अचानक धरती हिलने से लोगों में दहशत फैल गई और कई स्थानों पर लोग एहतियातन घरों से बाहर निकल आए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने भूकंप की घटना को दर्ज किया है। प्रशासन और संबंधित विभागों की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।प्रारंभिक जानकारी में राज्य में किसी जनहानि या बड़े नुकसान की सूचना नहीं थी।

पीएम मोदी के नेतृत्व को 25 साल: भूटानी प्रधानमंत्री तोगबे ने 'बड़े भाई' को बताया 'विष्णु अवतार'

एजेंसी

नई दिल्ली । भूटान के पीएम शेरिंग तोगबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'विष्णु अवतार' बताया है। उनके व्यक्तित्व से खासा प्रभावित तोगबे ने भावनात्मक पोस्ट के जरिए जनसेवा को समर्पित 25 वर्षों के लिए शुभकामनाएं देते हुए एक खत लिखा है। पीएम मोदी को वो क्यों अपना बड़ा भाई मानते हैं इस खत के जरिए उस राज का भी खुलासा किया है। तोगबे ने कुछ साल पहले के पन्नों को पलटा है। इस खत में तारीख और मुलाकात के उन खास पलों का जिक्र है। पीएम मोदी को 'आज के समय का एक अवतार' बताते हुए लिखते हैं, '27 जुलाई 2019 को, मैं दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिला। मेरी पार्टी भूटान के चुनावों में दस महीने पहले ही हार गई थी और संसद में उसका कोई प्रतिनिधित्व नहीं था। मैं न तो प्रधानमंत्री था और न ही सांसद; मैं पीएम मोदी से एक आम नागरिक के तौर पर मिला था। मैंने अपने कार्यकाल के दौरान उनके



सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। और मैंने उनसे कहा कि वे हमेशा मेरे बड़े भाई रहेंगे–सिर्फ इसलिए नहीं कि वे उम्र में बड़े हैं, बल्कि इसलिए कि उन्होंने मेरे साथ वैसा ही स्नेह दिखाया जैसा एक बड़ा भाई अपने छोटे भाई के साथ दिखाता है। ' आगे अपने जज्बातों की कहानी लिखी। उन्होंने कहा, ' फिर मैंने उनसे एक और बात कही: मैंने उन्हें विष्णु का अवतार माना। मैंने समझाया कि हमारे इलाके में, ज्ञानी शासकों को लंबे समय से ऐसा ही माना जाता रहा है। मेरी अपनी बातों ने मुझे हैरान कर दिया। बाद में, मैंने सोचा कि आखिर मैंने ऐसा क्यों कहा। क्या मैं भावनाओं में बह गया था? क्या मैं गलत था? बाद में, जब मैंने अपनी कही बातों पर विचार किया, तो जवाब साफ हो गया। पीएम मोदी को विष्णु का अवतार मानना सही था। ' प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल की तारीफ करते हुए तोगबे आगे लिखते हैं, ' मैंने उन्हें लगभग 13 वर्षों तक गुजरात का शासन चलाते देखा था, जब वह राज्य विकास, बुनियादी ढांचे, निवेश और काम को अंजाम देने के मामले में देश के लिए एक मिसाल बन गया था।

आज दुनिया भारत के पायलट की बात कर रही, कल 'मेड इन इंडिया' विमान की बात करेगी : पीएम मोदी

आज ही हम खुद ही अपनी नियति के नियंता हैं : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'विकसित भारत संकल्प सभा' में देश के भविष्य को लेकर बड़ा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि भारत में चुनौतियां हैं लेकिन 140 करोड़ समाधान भी हैं। पीएम मोदी ने कहा, 'आज दुनिया भारत के पायलट की बात कर रही है। एक दिन ऐसा भी आएगा जब दुनिया 'मेड इन इंडिया' विमान की बात करेगी। ये लक्ष्य दूरदर्शी नीतियों और लगातार कड़ी मेहनत से हासिल किए जाएंगे। भारत के सामने चुनौतियां हो सकती हैं लेकिन हमारे पास 140 करोड़ समाधान भी हैं।' पीएम मोदी ने स्वामी विवेकानंद और महर्षि अरबिंदो



का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि एक दिन, एक अद्भुत, गौरवशाली और महान भारत का उदय होगा। महर्षि अरबिंदो ने भी कहा था कि भारत के भाग्य का सूरज जरूर उगेगा और उसकी रोशनी पूरे विश्व को आलोकित करेगी। अदम्य साहस और अमिट जिजीविषा में तपे हमारे वो पूर्वज, हम उन्हीं की संतान हैं, उन्हीं के तप, त्याग और बलिदानों का परिणाम है। ' प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज हमारे पास एक ऐसा देश है, जहां हमारे सपने स्वतंत्र हैं और उन्हें पूरा करने का सामर्थ्य भी हमारे पास है। आज ही हम खुद ही अपनी नियति के नियंता हैं। '

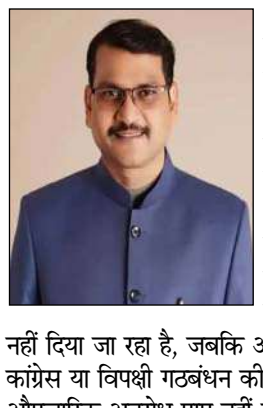
उन्होंने कहा कि अब देश के लिए बड़े और महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय करने का समय है। उन्होंने कहा, 'यह हमारे देश के लिए बड़े लक्ष्य तय करने का समय है। ऐसे लक्ष्य जो असाधारण और महत्वाकांक्षी हों। एक बेहतर भारत। दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत। गरीबी से मुक्त भारत। हर क्षेत्र में नेतृत्व करने वाला भारत। चाहे शिक्षा हो, मनोरंजन, स्वास्थ्य और कल्याण, खेल, इनोवेशन या टेक्नोलॉजी, दुनिया भारत की ओर देखे। हमारे लक्ष्य ऐसे होने चाहिए कि हर क्षेत्र में तिरंगा गर्व के साथ लहराए। '

उन्होंने कहा कि 2026 में हम जो विकसित भारत का सपना देख रहे हैं, वो जरूर पूरा होगा। उन्होंने कहा, 'आज 2026 में हम विकसित भारत को जो सपना देख रहे हैं, वो अवश्य पूरा होगा। कोई कारण ही नहीं है कि भारत अब रुके। 100 साल पहले तो हम 40 करोड़ से भी कम थे, आज हम 140 करोड़ से भी ज्यादा हैं। 140 करोड़ देशवासी मिलकर 2047 का विकसित भारत बनाएंगे और जरूर बनाएंगे।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के हर झूठ को किया बेनकाब: अमरपाल मौर्य

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चुनाव आयोग से जुड़े आरोपों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने 'एक्स' पर कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर एक के बाद एक आरोप लगाए, लेकिन आयोग ने उनके दावों की सच्चाई जनता के सामने रख दी। मौर्य ने कहा कि राहुल का पहला दावा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त अकेले फैसले लेते हैं। इसके जवाब में उन्होंने चुनाव आयोग के रुख का हवाला देते हुए कहा कि तीनों चुनाव आयुक्तों ने स्पष्ट किया है कि आयोग में फैसले सामूहिक रूप से लिए जाते हैं।



उन्होंने राहुल गांधी के दूसरे दावे पर भी सवाल उठाया। मौर्य के मुताबिक, राहुल गांधी दिनभर यह कहते रहे कि उन्हें चुनाव आयोग से मिलने नहीं दिया जा रहा है, जबकि आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया कि कांग्रेस या विपक्षी गठबंधन की ओर से मुलाकात के लिए कोई औपचारिक अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ। अमरपाल मौर्य ने तीसरे दावे का जिक्र करते हुए कहा कि शाम करीब चार बजे डीसीपी के माध्यम से चुनाव आयोग को राहुल गांधी के मिलने की इच्छा के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत आयोग प्रतिनिधियों के माध्यम से मुलाकात के लिए तुरंत तैयार था, लेकिन राहुल गांधी इस प्रक्रिया के तहत मिलने के लिए तैयार नहीं हुए।

पश्चिम बंगाल के डीजीपी सिद्धनाथ गुप्ता का कार्यकाल छह महीने बढ़ा

'केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) की अधिसूचना के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रस्ताव पर यह निर्णय लिया गया है।'

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सिद्धनाथ गुप्ता के कार्यकाल में एक बार फिर छह महीने का विस्तार किया गया है। उनकी सेवानिवृत्ति 31 अक्टूबर को निर्धारित थी, लेकिन समय-सीमा समाप्त होने से पहले ही केंद्र सरकार ने नबान्न (राज्य सचिवालय) को पत्र भेजकर इस सेवा विस्तार की आधिकारिक जानकारी दी । वर्ष 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी सिद्धनाथ गुप्ता को चुनाव आयोग ने हालिया चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद पीयूष पांडे को हटाकर राज्य का नया डीजीपी नियुक्त किया था। उनका कार्यकाल 30 अप्रैल को समाप्त होने वाला था, लेकिन चुनावी व्यस्तताओं के कारण



केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उन्हें पहली बार छह महीने का सेवा विस्तार दिया । अब इस दूसरे विस्तार के बाद वह अगले साल अप्रैल तक राज्य पुलिस प्रमुख के पद पर अपनी सेवाएं देते रहेंगे। केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) की अधिसूचना के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रस्ताव पर यह निर्णय लिया गया है। समिति ने स्पष्ट किया है कि 'जनहित' को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति लाभ) नियम, 1958 के प्रावधानों के तहत इस सेवा विस्तार को मंजूरी दी गई है। गौरतलब है कि गुप्ता के रिटायरमेंट की तारीख नजदीक आने के साथ ही राज्य के नए डीजीपी की नियुक्ति को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। तय प्रक्रिया के तहत केंद्र ने राज्य सरकार से संभावित नामों की सूची मांगी थी, जिसके आधार पर नबान्न ने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम दिल्ली भेजे थे। हालांकि, केंद्र ने फिलहाल शीर्ष पुलिस पद पर सिद्धनाथ गुप्ता को ही बरकरार रखने का अंतिम फैसला किया है।

'7 अक्टूबर भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में स्वर्णिम दिन'

• पीएम मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पर अमित शाह ने की प्रशंसा

एजेंसी

गुरुग्राम । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की प्रशंसा की है। शाह ने कहा कि मोदी जी ने लगातार 25 साल सीएम और पीएम बने रहने का रिकॉर्ड बनाया है। जब भी भारत का इतिहास लिखा जाएगा ये 25 साल स्वर्णिम अक्षरों से लिखे जाएंगे। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत गुरुग्राम (हरियाणा) में 'विकसित भारत संकल्प सभा-सेवा ज्योति यात्रा' को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोगों को साथ लेकर लंबे समय तक शासन के शीर्ष पर बने रहना भारतीय राजनीति में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, '7 अक्टूबर का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व ऐतिहासिक दिन है। साधारण परिवार से निकलकर अपनी क्षमता, नेतृत्व और जनसमर्थन के बल पर मोदी जी ने मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे किए हैं। लगातार 25 साल सीएम और पीएम बने रहने का रिकॉर्ड बनाया है और वो व्यक्ति पीएम मोदी हैं। जब भी भारत का इतिहास लिखा जाएगा ये 25 साल स्वर्णिम अक्षरों से लिखे जाएंगे। ' शाह ने कहा कि इन 25 सालों में गरीबी से मुक्ति, सुरक्षित भारत, धारा 370 हटाना, नक्सलवाद समाप्त करना, राम जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ का मंदिर बनाना, देश में इंफ्रास्ट्रक्चर को ऊपरी सीमा तक ले जाना और 25 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने जैसे अनेक ऐतिहासिक पड़ाव देखे हैं। ये यात्रा भारत कल्याण, गरीब कल्याण, भारत गौरव की यात्रा है और इस यात्रा को यादगार बनाने के लिए देशभर, हर जिले में ये सेवा ज्योति यात्रा आयोजित की है।



अमित शाह ने कहा कि देशभर में युवा मोदी जी के 'सेवा के 25 साल' पर 'सेवा ज्योति यात्रा' लेकर प्रमुख चौराहों पर पहुंचेंगे और वहां सेवा की मशाल प्रज्वलित करेंगे। उन्होंने अपील की कि अधिक से अधिक युवा इस यात्रा से जुड़ें और इसे जनभागीदारी का उत्सव बनाएं।

प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे, बिरला व अन्य ने कहा- यह जनकल्याण की यात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकार के प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीयमंत्री जगत प्रकाश नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, गिरिराज सिंह, पीयूष गोयल, हरदीप सिंह पुरी समेत विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर सरकार के प्रमुख के रूप में अपनी यात्रा शुरू की । वे वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री बने। बिरला ने एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्र प्रथम और जनकल्याण के संकल्प के साथ सार्वजनिक जीवन में सरकार के प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे करना उनकी राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण की प्रेरक गाथा है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सुशासन की नई मिसाल से लेकर देश के प्रधान सेवक के रूप में भारत को नई दिशा देने तक की उनकी यात्रा उल्लेखनीय रही है। उन्होंने कहा कि संविधान और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा के साथ संसद में लोकतांत्रिक संवाद और सहमति को प्रोत्साहन देने पर प्रधानमंत्री का निरंतर जोर रहा है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय से आत्मनिर्भरता, गरीब कल्याण से सशक्त भारत और विकास से विरासत के संरक्षण तक अनेक कार्यों ने देश की प्रगति की नई आधारभूमि तैयार की है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्ष की सार्वजनिक जीवन की यात्रा राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण का पर्याय बन चुकी है। उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई यह यात्रा 'राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम' के मूल मंत्र के साथ आगे बढ़ी है। उनके नेतृत्व में जनकल्याणकारी कार्यों का विस्तार हुआ और करोड़ों लोगों को घर, पानी, शौचालय, गैस कनेक्शन और बैंकिंग जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हुईं। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सुशासन को मजबूती मिली है और भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। युवाओं के लिए रोजगार और अवसर, उद्यमशीलता, स्टार्टअप तथा नवाचार को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की 25 वर्ष की यात्रा अभी पूर्ण विराम नहीं, बल्कि आगे की राष्ट्रसेवा का एक पड़ाव है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष संकल्प को कार्यरूप देने की यात्रा हैं। गुजरात से लेकर प्रधानमंत्री पद तक उनकी यात्रा जनता की आकांक्षाओं से जुड़ी रही है। उन्होंने इसे सेवा, प्रतिबद्धता और विकसित भारत के निर्माण के निरंतर संकल्प की यात्रा बताया।

जयपुर के मालवीय नगर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का शुभारंभ

एजेंसी

जयपुर । राजधानी जयपुर के मालवीय नगर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का राजस्थान का 55 वां सेंटर खुल गया है । सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने इस केंद्र का शुभारंभ किया । इस मौके पर सहकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने एक पीपीटी के जरिये बताया कि आखिर क्यों जेनेरिक दवाईयां जरूरी है । पीएमबीआई के सीईओ शांतनु कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का उद्देश्य महंगी दवाईयों को सस्ती दर पर मरीजों को उपलब्ध करवाना है । समारोह में सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि देश में आम परिवार के हर व्यक्ति को उचित कीमत पर दवाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने हमेशा इस बात पर ज़ोर दिया है और राजस्थान में हमने भी लगातार कोशिशें की हैं ताकि आम आदमी जिसमें गरीब भी शामिल हैं उन्हें चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। हमारा मकसद उन्हें ज़रूरी दवाएं उपलब्ध कराना है । क्योंकि खुले बाज़ार से खरीदी गई दवाएं अक्सर महंगी होती हैं । प्रचार और विज्ञापन का खर्च हटाकर, हम 'प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र' के ज़रिए आम ग्राहकों तक ये दवाएं पहुंचा पा रहे हैं ।

सेवा संकल्प अभियान के समापन पर मां गंगा की उतारी आरती, दुग्धाभिषेक कर पीएम के यशस्वी जीवन की कामना, घाट पर सफाई कर स्वच्छता का दिया संदेश

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर नमामि गंगे की ओर से सामने घाट पर विशेष आयोजन किया गया। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित कार्यक्रम में मां गंगा की आरती उतारी गई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए प्रार्थना की गई। इस दौरान दूध से मां गंगा का अभिषेक कर बाबा विश्वनाथ और मां गंगा से प्रधानमंत्री के लिए आशीर्वाद मांगा गया। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक एवं नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला के संयोजन में हुए कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रध्वज तिरंगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर लेकर मंत्रोच्चार के बीच उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों का अभिनंदन किया। धार्मिक परंपरा के अनुरूप हुए आयोजन में प्रधानमंत्री के कार्यकाल से जुड़े विकास और जनकल्याण के कार्यों का भी उल्लेख किया गया।

राष्ट्रीय फलक पर चमके बीएचयू के कृष्णा सिंह, मिला नेशनल फोटोग्राफी अवार्ड

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के दृश्य कला संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर कृष्णा सिंह ने छायाचित्र कला के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल की है। राज्य ललित कला अकादमी की ओर से आयोजित 19वीं अखिल भारतीय छायाचित्र कला प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता में उनकी उत्कृष्ट छायाचित्र कृति का चयन राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए किया गया। पांच अक्टूबर को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में कृष्णा सिंह को नेशनल फोटोग्राफी अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह में उन्हें कला एवं छायाचित्र के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 20 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि, अंगवस्त्रम और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस उपलब्धि से बीएचयू के दृश्य कला संकाय और विश्वविद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

बीएचयू में कथित गलत सर्जरी मामले की फिर होगी जांच, मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर सीएमओ ने गठित की टीम

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में मरीज की कथित गलत सर्जरी किए जाने के मामले में अब नए सिरे से जांच शुरू हो गई है। मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनपी सिंह ने जांच के लिए टीम गठित की है। टीम मरीज के भर्ती होने से लेकर ऑपरेशन थिएटर तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया की पड़ताल करेगी। इलाज, जांच, चिकित्सकीय परामर्श, भर्ती और शल्य चिकित्सा से जुड़े अभिलेख भी जांच के दायरे में होंगे। इस मामले में आईएमएस बीएचयू प्रशासन की ओर से पहले आंतरिक जांच कराकर रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को भेजी जा चुकी है। हालांकि, शिकायतकर्ता ने जांच रिपोर्ट पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद मानवाधिकार आयोग ने मामले की दोबारा जांच कराने का निर्देश दिया। आयोग ने जिलाधिकारी और सीएमओ को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था।

प्रधानमंत्री मोदी के राजनीतिक नेतृत्व को 25 साल

बेल्जियम, नाइजीरिया और डोमिनिकन रिपब्लिक ने दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली । बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर, डोमिनिकन रिपब्लिक के प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट और नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टिनुबू ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बतौर मुखिया सरकार में 25 वर्ष पूरा करने पर बधाई दी। वेवर ने साझेदारी को और मजबूत करने की इच्छा जताई तो रूजवेल्ट ने उनके प्रति दिखाई उदारता के लिए आभार जताया वहीं, नाइजीरिया ने इसे 'दुर्लभ उपलब्धि' करार दिया। अपने बधाई संदेश में, वेवर ने भारत की अपनी हालिया यात्रा को 'फलदायी' बताया। एक्स पोस्ट में, वेवर ने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुजरात से नई दिल्ली तक सरकार में लगातार 25 वर्षों के नेतृत्व के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। पिछले महीने भारत की मेरी फलदायी यात्रा के बाद, मैं हमारे दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक हूं। ' वहीं, डोमिनिकन रिपब्लिक के पीएम रूजवेल्ट स्केरिट ने अपने प्रिय मित्र के साथ क्लिक की तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर लिखा, ' मेरे प्रिय मित्र, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मैं आपको सरकार के प्रमुख के रूप में लगातार 25 वर्षों



की सेवा के लिए हार्दिक बधाई देता हूं, यह एक ऐसी यात्रा है जो गुजरात में शुरू हुई और भारत के आपके नेतृत्व के माध्यम से जारी रही। इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर, मैं डोमिनिका के प्रति आपकी मित्रता और हमारे लोगों के प्रति दिखाई गई उदारता के लिए अपनी सराहना व्यक्त करना चाहता हूं। मैं हमारे देशों के बीच के बंधन को महत्व देता हूं और आने वाले वर्षों में इसे और मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं। '

उन्होंने अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए आगे लिखा कि डोमिनिका की सरकार और लोगों की ओर से, और व्यक्तिगत रूप से, मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य, शक्ति और भारत के लोगों की सेवा में निरंतर सफलता की कामना करता हूं। नाइजीरिया के संघीय गणराज्य की सरकार और जनता की ओर से राष्ट्रपति बोला अहमद टिनूबू ने बधाई प्रेषित की। उन्होंने एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी की इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, 'किसी भी लोकतंत्र में लगातार 25 वर्षों तक सरकार के प्रमुख के रूप में नेतृत्व करना एक दुर्लभ उपलब्धि है। ' राष्ट्रपति टिनूबू ने कहा, ' 7 अक्टूबर 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री और सरकार के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के 25 साल पूरे हो रहे हैं। उनकी जनसेवा का यह सफर बिना किसी रुकावट के जारी रहा। गुजरात की जनता की 12 साल से अधिक समय तक सेवा करने के बाद वह 2014 से भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर नेतृत्व कर रहे हैं। दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में 25 वर्षों तक लगातार नेतृत्व करना इस बात का ठोस प्रमाण है कि भारतीय जनता ने प्रधानमंत्री मोदी पर कितना भरोसा जताया है। '

हैदराबाद में फर्जी फॉर्म-7 के मामले में भाजपा के बूथ एजेंट पर केस दर्ज

30 वोटरों के नाम हटाने की कोशिश

एजेंसी

हैदराबाद । तेलंगाना में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के लिए फर्जी फॉर्म 7 के इस्तेमाल का मामला सामने आया है। हैदराबाद पुलिस ने भाजपा के एक बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी का नाम एस. बालाचंदर है, जो मुशीराबाद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का बीएलए है। उस पर आरोप है कि उसने 30 प्री-प्रिंटेड फॉर्म 7 जमा कर वोटर लिस्ट से नाम हटाने की कोशिश की। चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 217 और 318(2) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 31 के तहत मामला दर्ज हुआ है। यह कार्रवाई मुशीराबाद के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) टी. प्रवीण कुमार की शिकायत के बाद की गई। शिकायत के मुताबिक, बालाचंदर 28 सितंबर



को पोलिंग स्टेशन नंबर 210 पर 30 डिजिटल प्री-प्रिंटेड फॉर्म 7 लेकर पहुंचा था। इन फॉर्म में 30 वोटर्स के नाम हटाने की मांग की गई थी, जिनमें कांग्रेस के एक बीएलए और उसके परिवार के लोग भी शामिल थे। बालाचंदर ने खुद इन फॉर्म पर साइन किए थे और इन्हें बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को देने की कोशिश की। बीएलओ ने एक साथ इतने फॉर्म लेने से इनकार कर दिया और कोई रसीद नहीं दी, तो वह फॉर्म वहीं छोड़कर चला गया।

बाद में जांच में पता चला कि जिन 30 लोगों के नाम हटाने की मांग की गई थी, वे सभी अपने दर्ज पते पर ही रह रहे हैं। यानी फॉर्म में दी गई जानकारी गलत थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुधर्सन रेड्डी ने 5 अक्टूबर को आदेश दिया था कि फॉर्म 6, 6ए, 7 और 8 में जानबूझकर झूठा बयान देने वालों पर कार्रवाई की जाए। सीईओ ने सभी डीईओ को मतदाता पंजीकरण नियम 1960 के नियम 20 के तहत जांच करने के बाद कार्रवाई करने को कहा था। इस आदेश के बाद तेलंगाना में यह पहला केस दर्ज हुआ है।

इसी तरह के प्री-प्रिंटेड फॉर्म बहादुरपुरा और गोशामहल विधानसभा में भी सामने आए हैं। इनमें जिन लोगों के नाम हटाने की मांग थी, वे सभी मुस्लिम थे, जिससे समुदाय विशेष को टारगेट करने के आरोप लगे हैं।

जनगणना-2027 में अन्य पिछड़ा वर्ग की पृथक जातिगत गणना हो: रवि शंकर धाभाई



एजेंसी

जयपुर। अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि शंकर धाभाई ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री एवं महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त को पत्र भेजकर आगामी जनगणना-2027 में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की तर्ज पर अन्य पिछड़ा वर्ग की पृथक जातिगत जनगणना कराने की मांग की है। धाभाई ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग की प्रमाणिक एवं अद्यतन जनसंख्या के आंकड़ों के अभाव में सामाजिक न्याय, समान अवसर, आरक्षण, प्रतिनिधित्व तथा कल्याणकारी नीतियों का वस्तुनिष्ठ निर्धारण प्रभावित होता है। उन्होंने जनगणना प्रपत्र में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए स्पष्ट पृथक कॉलम शामिल करने तथा जनगणना पूर्ण होने के बाद प्रमाणिक आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रमाणिक आंकड़ों के आधार पर पंचायती राज एवं नगरीय निकायों सहित शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास से संबंधित नीतियों की समीक्षा संभव होगी। धाभाई ने इसे सामाजिक न्याय, पारदर्शिता और समान अवसर से जुड़ा महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक विषय बताया।

वी.टी. रोड मेला ग्राउंड में जनसेवा यात्रा में शामिल हुए सीएम

प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के सेवाकाल पर वर्चुअल संवाद

एजेंसी

जयपुर। आज जयपुर के वी.टी. रोड स्थित मेला ग्राउंड में 'जनसेवा यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प सभा' (सेवा ज्योति यात्रा) का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ समेत बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर, इस कार्यक्रम के दौरान वर्चुअल माध्यम से उनका ओजस्वी और प्रेरणादायी उद्बोधन सुनने का अवसर मिला। राष्ट्र प्रथम और सुशासन को समर्पित यह 25 वर्षों का सेवाकाल प्रत्येक नागरिक को देश के नवनिर्माण के लिए नई ऊर्जा प्रदान करता है। इसी ऊर्जा के साथ, प्रधानमंत्री के प्रेरक विचारों के उपरांत सभा में उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित किया गया तथा 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को पूरा करने की शपथ ली गई। प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन में राजस्थान निरंतर प्रगति के नए आयाम छू रहा है। डबल इंजन की सरकार आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, जन-कल्याण और समग्र खुशहाली के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। इस अवसर पर देवतुल्य जनता के साथ मिलकर



प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को गति देने और राजस्थान को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करने का दृढ़ संकल्प दोहराया गया। इस आयोजन के दौरान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पटना में 'संकल्प सभा': सीएम सम्राट बोले- 'विकसित भारत' के लिए समृद्ध बिहार जरूरी

एजेंसी

पटना । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से बुधवार को पटना में 'विकसित भारत संकल्प सभा' एवं 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के वर्चुअल संबोधन को बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने सुना। सभा के बाद 'सेवा ज्योति यात्रा' निकाली गई। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि 7 अक्टूबर का दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में विशेष महत्व रखता है। आज से 25 वर्ष पहले इसी दिन नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी ने शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने का काम किया और इसके बाद प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा कर रहे हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि भाजपा और जनसंघ की विचारधारा ने हमेशा राष्ट्रहित और लोकतंत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आपातकाल के दौरान जनसंघ के कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपने संगठन का विलय तक किया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सेवा भाव के साथ राष्ट्र निर्माण का काम आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विपक्षी इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ ऐसे नेतृत्व के साथ लोग काम कर रहे हैं, जिनके मन, दिल और कार्य में सेवा है, जबकि दूसरी तरफ विपक्ष के नेताओं के लिए 'मेवा' महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत और समृद्ध बिहार बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करना होगा। सम्राट चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन, बिजली और पीएम सूर्य घर योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य आम लोगों के जीवन में बदलाव लाना है।

आविन दूध की कमी की शिकायतों के बीच मुख्यमंत्री विजय ने माधवरम संयंत्र का किया निरीक्षण, प्रयोगशाला का उद्घाटन

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने बुधवार को चेन्नई के माधवरम स्थित आविन दूध संयंत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु दुग्ध उत्पादक संघ की ओर से 2.23 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित केंद्रीय राज्य प्रयोगशाला के सहायक भवन का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा गया। माधवरम स्थित आविन संयंत्र चेन्नई और आसपास के क्षेत्रों में दूध आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। हाल के दिनों में तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों में आविन दूध की उपलब्धता को लेकर शिकायतें सामने आई थीं। इसके अलावा दुग्ध उत्पादों की खरीद और कीमतों को लेकर भी सवाल उठाए गए थे। इसी पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री के संयंत्र के निरीक्षण को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



मुख्यमंत्री ने संयंत्र परिसर में 2.23 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित केंद्रीय राज्य प्रयोगशाला के सहायक भवन का उद्घाटन किया। इस प्रयोगशाला का निर्माण दूध और विभिन्न दुग्ध उत्पादों की अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से सटीक जांच के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया गया है। नई प्रयोगशाला के माध्यम से दूध और दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता तथा निर्धारित मानकों की जांच को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। इससे उपभोक्ताओं तक गुणवत्तापूर्ण दूध और दुग्ध उत्पाद पहुंचाने की व्यवस्था को मजबूत करने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने माधवरम आविन दूध संयंत्र परिसर में 152 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन नई इमारत का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण कार्य की प्रगति और संयंत्र से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। माधवरम संयंत्र से चेन्नई तथा आसपास के इलाकों में दूध की आपूर्ति की जाती है। ऐसे में संयंत्र की उत्पादन, भंडारण और वितरण व्यवस्था से जुड़ी परियोजनाओं को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में हाल के दिनों में आविन दूध की कमी की शिकायतें सामने आई थीं। वहीं, दुग्ध उत्पादों की खरीद को लेकर भी सवाल उठे हैं। कर्नाटक से घी जैसे उत्पादों की खरीद किए जाने के आरोपों के अलावा आविन दूध की कीमतों को लेकर भी शिकायतें सामने आने की बात कही गई है।

55 दिन से गंगा में नावें खड़ी, नाविकों के सामने रोजी-रोटी का संकट

जल पुलिस से कई दौर की वार्ता के बाद भी नहीं मिली अनुमति

एजेंसी

वाराणसी। गंगा में करीब 55 दिनों से नौका संचालन बंद होने से नाविक समाज के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। नावें किनारे खड़ी हैं और नाविकों की रोजाना होने वाली कमाई पूरी तरह ठप है। लंबे समय से आय का साधन बंद होने के कारण परिवार के भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई, राशन और अन्य जरूरी खर्चों को पूरा करना मुश्किल होता जा रहा है। नाविक समाज ने प्रशासन से गंगा की मौजूदा परिस्थितियों का आकलन कर सुरक्षा मानकों के साथ जल्द नौका संचालन शुरू कराने की मांग की है। नाविकों का कहना है कि गंगा में जलस्तर और परिस्थितियों को देखते हुए नौका संचालन बंद किया गया था।



इसके बाद से नाविक समाज की ओर से जल पुलिस के अधिकारियों से कई दौर की वार्ता और बैठक की जा चुकी है। हर बार सुरक्षा और परिस्थितियों को लेकर चर्चा हुई, लेकिन अभी तक नाव चलाने की अनुमति नहीं मिल सकी है। नाविकों का कहना है कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन लगातार 55 दिनों तक नाव बंद रहने से उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। नाविक समाज के लोगों के मुताबिक अधिकांश परिवारों की आजीविका नौका संचालन पर निर्भर है। प्रतिदिन नाव चलाकर मिलने वाली आय से ही घर का राशन, बच्चों की पढ़ाई, दवा और अन्य जरूरी खर्च पूरे होते हैं। नौका संचालन बंद होने के बाद आमदनी का यह प्रमुख स्रोत समाप्त हो गया है। नाविकों का कहना है कि गंगा में नौका विहार करने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों से उनकी रोजाना की आय होती है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक गंगा के घाटों और धार्मिक स्थलों का भ्रमण करने के लिए नावों का सहारा लेते हैं। ऐसे में नौका संचालन बंद रहने का सीधा असर नाविकों की आमदनी पर पड़ा है। करीब दो महीने से अधिक समय से काम बंद होने के कारण आर्थिक मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं।

बीजेपी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय व प्रदेश अध्यक्ष का छात्रों ने किया स्वागत, बीएचयू में छात्रसंघ बहाली की उठाई मांग

एजेंसी

वाराणसी। बीएचयू में लंबे समय से बंद छात्र राजनीति और छात्रसंघ व्यवस्था को बहाल कराने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉ. हेमांग जोशी और उत्तर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा के बीएचयू आगमन पर छात्र नेता शिवांश सिंह के नेतृत्व में छात्रों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव कराने और लोकतांत्रिक छात्र प्रतिनिधित्व की व्यवस्था पुनः स्थापित कराने की मांग प्रमुखता से रखी। छात्र नेता शिवांश सिंह ने दोनों नेताओं से मुलाकात कर बीएचयू में छात्रसंघ चुनाव और निर्वाचित छात्र प्रतिनिधित्व की व्यवस्था बहाल कराने की दिशा में पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ की बहाली विश्वविद्यालय के छात्रों की लंबे समय से चली आ रही मांग है। इस मुद्दे को उचित मंच पर गंभीरता से उठाने की आवश्यकता है, ताकि छात्रों की समस्याओं और उनकी अपेक्षाओं को प्रभावी तरीके से सामने लाया जा सके। उन्होंने कहा कि काशी हिंदू विश्वविद्यालय देश के प्रमुख केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शामिल है और यहां छात्र राजनीति की समृद्ध परंपरा रही है। छात्रसंघ के माध्यम से विद्यार्थी लंबे समय तक अपनी शैक्षणिक, प्रशासनिक और छात्रहित से जुड़ी समस्याओं को विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष लोकतांत्रिक तरीके से रखते रहे हैं। शिवांश सिंह ने कहा कि लंबे समय से छात्रसंघ चुनाव नहीं होने के कारण छात्रों के पास अपनी सामूहिक समस्याओं और मांगों को विश्वविद्यालय प्रशासन तक पहुंचाने के लिए प्रभावी निर्वाचित मंच का अभाव है। ऐसे में छात्रसंघ की बहाली केवल चुनाव कराने का विषय नहीं, बल्कि छात्रों के लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व से भी जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने कहा कि बीएचयू में हजारों छात्र अध्ययन करते हैं और समय-समय पर छात्रावास, पुस्तकालय, शुल्क, शैक्षणिक सुविधाओं, परिसर व्यवस्था तथा अन्य छात्रहित से जुड़े विषय सामने आते रहते हैं। निर्वाचित छात्रसंघ इन मुद्दों को व्यवस्थित ढंग से प्रशासन के समक्ष रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। छात्र नेता ने युवा मोर्चा के राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष से आग्रह किया कि वे बीएचयू में छात्रसंघ बहाली की मांग को उचित स्तर पर उठाएं और छात्रों की भावनाओं से जुड़े इस विषय पर सकारात्मक पहल करें।

मध्यप्रदेश की धरती पर बुंदेलखंड में चीतों को मिला तीसरा ठिकाना

वन्य जीवों के संरक्षण और संवर्धन का हमारा मिशन लगातार रहेगा जारी : मुख्यमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वन्य जीव हमारे वनों के आभूषण हैं। इन्हें संजोकर रखना हम सबका दायित्व है। उन्होंने कहा कि मप्र की धरती पर वन्य जीवों का संरक्षण और संवर्धन हमारा मिशन है और यह मिशन लगातार भी जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार सागर के रहली में वन्य जीव सप्ताह समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में 2 चीते (नर व्योम और मादा नीरा) के लिए तैयार किए गए सुरक्षित बाड़े (सॉफ्ट रिलीज बोमा) में विमुक्त किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चीता मित्रों और बाघिन दीदी से भी संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर अभयारण्य के बाद नौरादेही टाइगर रिजर्व में चीतों को नया ठिकाना मिला है। बुंदेलखंड स्थित वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य प्रदेश में तीसरा ऐसा स्थान बना है, जहां चीते अपने अनुकूल प्राकृतिक आवास में स्वच्छंद होकर विचरण करेंगे। नौरादेही में 41 वर्ष पहले टाइगर रिजर्व की स्थापना हुई थी। यह अभयारण्य सबसे खास होगा, क्योंकि अब नौरादेही में पर्यटकों को चीता और टाइगर एक ही रिजर्व में विचरण करते नजर आएंगे। मध्यप्रदेश में चीतों की संख्या अब 60 तक पहुंच गई है। प्रदेश की धरती वन्य प्राणियों के लिए सबसे अनुकूल है। मध्यप्रदेश, देश में सबसे अधिक टाइगर और गिद्धों की संख्या वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वन और



वन्य प्राणियों की चिंता करते हुए उनका सभी प्रकार से संरक्षण कर रही है। मध्यप्रदेश में जलचर, थलचर और नभचर सभी प्रकार के जीवों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। राज्य में नर्मदा मैया के वाहन मगरमच्छ को भी संरक्षण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते यह हमारा दायित्व है कि कठिन समय में क्षेत्र के नागरिकों के लिए साथ खड़े रहें। वन्य जीव सप्ताह के समापन के अवसर पर आज वन समितियों को उनके लाभांश का वितरण भी किया गया। नौरादेही टाइगर रिजर्व के आसपास पर्यटकों को घुमाने और उन्हें सुविधाएं प्रदान करने वाली समितियों के सदस्यों को कुल 80 करोड़ की आय में से 20 करोड़ लाभांश के रूप में मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन क्षेत्र के आसपास बफर जोन में होमस्टे सर्विस को प्रोत्साहित किया जा रहा है। गांव में रहने वाले लोग अपने मकान में एक से दो कमरे होमस्टे के लिए तैयार करें और स्वरोजगार पाएं। राज्य सरकार होमस्टे तैयार करने के लिए 2 से 3 लाख रुपए का अनुदान भी दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में हमारी सरकार गौपालन और दूध उत्पादन को प्रोत्साहित कर रही है। गौपालकों से उचित मूल्य पर दूध खरीदने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर सहकारी दूध संकलन समिति बनाई जा रही हैं। इससे किसानों को दूध से निश्चित आय मिलेगी। राज्य सरकार ने पिछले दिनों केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह की मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश की दूध उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए बड़ा लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की धरती से पहले टाइगर और चीते विलुप्त होते जा रहे थे। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और सेवा संकल्प के 25 वर्ष पूर्ण हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी नेतृत्व और मार्गदर्शन में एशिया की धरती पर पहली बार कूनो अभयारण्य से चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई। हमारा प्रयास है कि वनों में सभी वन्य जीव आबाद रहे और मनुष्य भी सहअस्तित्व के भाव से निवास करें। दोनों अपने अनुशासन का पालन करें। आज नौरादेही अभयारण्य में 2 चीते मुक्त आवास में छोड़े गए हैं। अगले महीने 2 और चीते यहां लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि चीता एक ऐसा जीव है, जो सभी को लेकर साथ चलता है।

उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति और सरल, सुगम विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराएं : ऊर्जा मंत्री तोमर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

विद्युत वितरण प्रणाली को निर्बाध बनाने तथा विद्युत समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की अध्यक्षता में बुधवार को रोशनी घर स्थित विधुत विभाग के कार्यालय ग्वालियर में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता श्री विनोद कटारे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु तत्परता के साथ पहल करने तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने



कहा कि हमारा प्रयास है कि प्रत्येक उपभोक्ता को सरल, सुगम एवं बेहतर विद्युत सेवाएं उपलब्ध हों। नवरात्रि तथा दीपावली पर्व पर उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराना हमारा दायित्व है। हम यह सुनिश्चित करें कि ट्रिपिंग की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए मुख्य रूप से ओवरलोडिंग, शॉर्ट सर्किट और अर्थ लीकेज जैसी समस्याओं को रोकना जरूरी है।

भोपाल जिले के 88 प्रतिशत एलपीजी उपभोक्ताओं ने करायी ई-केवायसी

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल जिले के 88 प्रतिशत एलपीजी उपभोक्ताओं द्वारा ई-केवायसी की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा विगत 06 माह में 06 बार ई-केवायसी की अनिवार्यता के लिये समय-सीमा बढ़ाई गई है। एक अक्टूबर 2026 तक जिन उपभोक्ताओं के द्वारा ई-केवायसी नहीं कराई गई है, उन्हें गैस रिफिल बुकिंग की सुविधा गैस कंपनियों द्वारा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार अस्थाई रूप से बंद की गई है, जो संबंधित उपभोकता द्वारा ई-केवायसी कराये जाने पर तत्काल पुनः प्रारंभ हो सकेगी। उपभोक्ता गैस एजेंसी अथवा ऑयल कंपनी के ऐप के माध्यम से भी घर बैठे ई-केवायसी कर सकते है। आयुक्त खाद्य श्री दिनेश जैन ने बताया है कि वर्तमान में भोपाल जिले में 4 सोसायटी 1. सागर लेक व्यू होम्स अयोध्या बायपास, 2. सौम्या पार्क लैण्ड अवधपुरी, 3. आकृति ग्रीन्स सलैया, 4. कैनाल किनशिप सलैया) एलपीजी फ्री घोषित की गई है। इन कॉलोनियों में कॉलोनियों को एलपीजी फ्री घोषित करने की प्रक्रिया प्रचलित है। थिंक गैस कंपनी के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि जिन घरों में पीएनजी कनेक्शन पूर्व से उपलब्ध हैं, उन्हें भी एलपीजी फ्री श्रेणी में रखा गया है। यह जानकारी भी दी गई है कि भारत सरकार के राजपत्र अनुसार जिन क्षेत्रों में पीएनजी की उपलब्धता है, वहां उपभोक्ताओं को नोटिस देने के 90 दिवस बाद एलपीजी सप्लाई बंद करने के प्रावधान हैं। पीएनजी कनेक्शन के संबंध में सीजीडी संस्थाओं को निर्देश दिये गये है कि पीएनजी की सप्लाई सुचारू रूप से प्रारंभ होने के पश्चात पीएनजी समन्वय समिति द्वारा सत्यापन उपरांत ही संबंधित उपभोक्ता के एलपीजी सप्लाई बंद की जाये। आयुक्त खाद्य श्री जैन ने अपील की है कि जिन उपभोक्ताओं के एलपीजी रिफिल सुविधा ई-केवायसी न कराये जाने के कारण अस्थाई रूप से बंद है, वे तत्काल ई-केवायसी करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही एलपीजी या पीएनजी संबंधी समस्या होने पर संबंधित ऑयल कंपनी सीजीडी कंपनी की हेल्पलाईन पर संपर्क कर सकते है।

उन्नत नस्ल के पशुपालकों में प्रथम आने वाले को मिलेंगे एक लाख रूपये

वृंदावन ग्राम में उन्नत नस्ल के पशुओं की प्रतियोगिता आयोजित करें : मुख्यमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उन्नत नस्ल के पशुपालन को बढ़ावा दिया जाए। पशुपालकों को प्रोत्साहन मिले, इसके लिए वृंदावन ग्राम में पशु प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाए। प्रथम आने वाले पशुपालक को सरकार एक लाख रुपये देगी। द्वितीय आने वाले को 50 हजार रुपये एवं तीसरे स्थान पर आने वाले को 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार का वितरण दीपावली पर गौवर्धन पूजा के अवसर पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को रतलाम में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को उज्जैन से वर्चुअल संबोधित किया। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि रतलाम के किसान खेती में बदलाव के साथ अलग-अलग प्रकार की खेती कर रहे है। किसान अपनी आय बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन, प्रोसेसिंग, पशुपालन एवं उद्यानिकी जैसी गतिविधियों को अपना रहे है। किसानों को कृषि क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा सिंचाई का रकबा बढ़ाने के साथ ही पम्प ऊर्जीकरण के लिए 30 लाख किसानों के खेतों पर सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य रखा गया है। रबी सीजन में सिंचाई के लिए किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी। रतलाम में चंबल के पानी से सिंचाई हो रही है। नदी जोड़ो अभियान से रतलाम के किसानों के जीवन में बदलाव



आएगा। एक्सप्रेस-वे के बनने से रतलाम में अच्छी बाजार व्यवस्था उपलब्ध हुई है। रतलाम के किसान बहुउद्देशीय फसलें उगाते हैं। साथ ही प्रोसेसिंग का कार्य भी करते है। रतलाम में अंगूर की खेती और अंगूर की प्रोसेसिंग का व्यवसाय भी अच्छे से चल रहा है। रतलाम स्वर्ण, सेव और उन्नत खेती के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने रतलाम की सेव के साथ ही तेल वाली कचौरी की भी तारीफ की।

उन्नतशील किसानों से किया संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद करते हुए सरकार की पीएम एफएमई योजना का लाभ लेकर घी के व्यवसाय को यूएस एवं श्रीलंका तक पहुंचाने वाले किसान दिलीप पाटीदार ने कहा कि उन्हें सरकार की योजना के अंतर्गत 30 लाख 10 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई है। वह बिलोना पद्धति से घी बनाते हैं, जिससे घी की शुद्धता और स्वाद अच्छा होना है जिससे देश के साथ-साथ विदेशों में भी घी की मांग बढ़ी है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। गुलाब की खेती करने वाले श्री प्रवीण पाटीदार ने भी अपने अनुभव साझा किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरूद का उत्पादन करने वाले किसान श्री कन्हैयालाल पाटीदार से चर्चा की। कन्हैयालाल ने बताया कि वह कम शुगर वाले वीएनआर, पिंक और रेड डायमंड किस्म के अमरूद का उत्पादन करते हैं। अमरूद को मुंबई, दिल्ली और असम तक के बाजारों में मांग के अनुसार भेजते हैं। जैविक उर्वरक के लिए रिसर्च सेंटर का संचालन करने वाली रेखा व्यास ने अपने जैविक खाद की जानकारी दी। लहसुन-प्याज का उत्पादन करने वाले किसान श्री धर्मेंद्र जाट ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव से स्थानीय मालवी भाषा में संवाद किया। कार्यक्रम में किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, आधुनिक खेती के तौर-तरीकों और कृषि के साथ-साथ पशुपालन, उद्यानिकी एवं अन्य संबद्ध गतिविधियों को अपनाकर आय के विभिन्न स्रोत विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, विधायक जावरा डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय, विधायक रतलाम ग्रामीण श्री मथुरालाल डामर ने भी संबोधित किया।

प्रदेश के समस्त बूथों से निकली सेवा ज्योति यात्रा

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विकसित भारत संकल्प सभा के माध्यम से देशवासियों से किया वर्चुअल संवाद

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा, नई दिशा और जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को विकसित भारत संकल्प सभा के माध्यम से देशवासियों से वर्चुअल संवाद किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत देशभर में विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया। प्रदेश में भी विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री



तथा विकसित भारत संकल्प सभा (सेवा ज्योति यात्रा) के प्रदेश प्रभारी श्री विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। भोपाल जिले का मुख्य कार्यक्रम रवींद्र भवन में आयोजित किया गया, जिसमें उप-मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, मंत्री सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, श्री भगवानदास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय सहित जिले के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। सभी ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के उद्बोधन को वर्चुअल माध्यम से सुना।

80 वर्षीय दादी ने दिया आशीर्वाद, राजेन्द्र शुक्ल जी के प्रति जताया स्नेह

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

रीवा में आज आत्मीयता और स्नेह का भावुक दृश्य देखने को मिला। 80 वर्षीय दादी, राजेन्द्र शुक्ल जी को आशीर्वाद देने के लिए स्वयं कार्यक्रम स्थल पहुंचीं। उम्र के इस पड़ाव पर भी उनका कार्यक्रम स्थल तक पहुंचकर आशीर्वाद देना उपस्थित लोगों के लिए भावुक और आत्मीय क्षण रहा। दादी ने राजेन्द्र शुक्ल जी के प्रति अपना स्नेह व्यक्त करते हुए उन्हें



आशीर्वाद दिया। इस दौरान उनके बीच दिखाई दिया आत्मीय भाव लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। दादी का स्नेह और आशीर्वाद जनसेवा से जुड़े विश्वास और अपनत्व का भावपूर्ण उदाहरण है। राजेन्द्र शुक्ल जी के प्रति यह आत्मीयता जनप्रतिनिधि और आमजन के बीच के गहरे संबंध को सहज रूप से सामने लाती है।

जिले के विधानसभा क्षेत्रों में निकाली गई सेवा ज्योति यात्रा

आज पायलट की चर्चा है, एक दिन आएगा जब मेड इन इंडिया प्लेन की चर्चा होगी - प्रधानमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा के अभिनंदन के लिए सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा ज्योति संकल्प दिवस मनाया गया। रीवा जिले के विधानसभा क्षेत्रों में विधायक के नेतृत्व में सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई। मुख्य समारोह टीआरएस कालेज के एनसीसी मैदान में आयोजित किया गया। समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जनता का आशीर्वाद और विश्वास मेरी सबसे बड़ी शक्ति है। मैं इस बात के लिए देश के जनता को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उसने मुझे लगातार 25 वर्षों तक जनसेवा का अवसर दिया। मेरे लिए जनता ईश्वर का रूप है। पिछले 25 वर्षों की जनसेवा का अनुभव मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। यह मुझे हर दम कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता के विश्वास ने मुझे बड़े संकट में धैर्य रखने और कठिन परिस्थितियों में दिन-रात देश की सेवा करने की प्रेरणा दी है। इसी के कारण राष्ट्र की सामूहिक चेतना ने कोरोना जैसे कठिन काल का सामना किया। हमारा देश वैदिक काल



से लेकर विवेकानंद जी तक वैचारिक यात्रा और सांस्कृतिक मूल्यों का वाहक रहा है। हमने पूरे विश्व को मानवता का पाठ पढ़ाया है। आज का दिन देश के विकास के संकल्पों को नई ऊर्जा देने का दिन है। देश को 2047 तक विकसित बनाने, विश्व की टॉप-3 इकोनॉमी बनाने, ओलंपिक खेलों के आयोजन, देश को ग्लोबल हब बनाने और चंद्रमा में भारतीय के कदम रखने के संकल्प का आज दिन है। अभी पूरी दुनिया में देश के एक पायलट की बहादुरी की चर्चा हो रही है। एक दिन ऐसा भी होगा जब पूरी दुनिया मेड इन इंडिया एरोप्लेन की चर्चा करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश तेजी से विकास कर रहा है। कई देश विरोधी ताकतें विकास की राह में बाधा डालने का प्रयास कर रही हैं। विकास का पूरा फल आज की जेन जी पीढ़ी को मिलेगा। देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी देश के युवाओं पर ही है। विकसित भारत का सपना युवा ही पूरा करेंगे। देश ने कई चुनौतियों का सामना किया। हम कोरोना संकट में खुद को बचाने के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा में भी मददगार बने। नक्सलवाद और आतंकवाद का कठोरता से दमन किया गया। देश की ओर आंख उठाने वालों को उनके घर में घुसकर मारा गया। देश को कई क्षेत्रों में कल्पनातीत सफलताएं मिली हैं। समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने उपस्थितों को विकसित भारत संकल्प की शपथ दिलाई। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन से देश की दशा और दिशा तय कर दी है।

वन्य-जीव सप्ताह-2026 का हुआ गरिमामय समापन

वन्य-जीव संरक्षण के प्रति जन-भागीदारी एवं जागरूकता बढ़ाने का लिया संकल्प

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में वन्य-जीव सप्ताह-2026 के समापन अवसर पर बुधवार 7 अक्टूबर को विविध कार्यक्रमों का आयोजन गरिमापूर्ण एवं उत्साहपूर्ण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वन्य-जीवों एवं जैव-विविधता के संरक्षण के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा वन्य-जीव संरक्षण में जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने उद्बोधन में उन्होंने सुरक्षित वन, समृद्ध वन्य-जीव, सशक्त समुदाय और वैज्ञानिक वन प्रबंधन पर प्रकाश डाला। वन्य-जीव संरक्षण में जन-भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया गया। साथ ही वन्य-जीव एवं जैव-विविधता का संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सामूहिक जिम्मेदारी है। वन एवं वन्य-जीव मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में वन्य-जीवों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर संचालक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान श्री विजय कुमार द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए वन्य-जीव सप्ताह-2026 के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों को वन्य-जीव एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा वन एवं वन्य-जीवों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की शपथ दिलाई गई। उपस्थितजनों ने प्रकृति, वन्य-जीव एवं जैव-विविधता के संरक्षण में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया। इस अवसर पर भोपाल बर्ड फेस्टिवल-2027 के पोस्टर का विमोचन किया गया। यह आयोजन भोपाल



बर्ड्स संस्था द्वारा मध्यप्रदेश राज्य जैव-विविधता बोर्ड एवं मध्यप्रदेश वन विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। पोस्टर विमोचन के माध्यम से भोपाल की समृद्ध पक्षी विविधता, पक्षी संरक्षण एवं नागरिकों की सहभागित्ता को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। साथ ही ÷बर्ड्स, कॉल्स ऑफ वन विहार नेशनल पार्क÷ पोस्टर का भी विमोचन किया गया। यह पोस्टर भोपाल बर्ड्स एवं वन विहार नेशनल पार्क द्वारा तैयार किया गया है। इसके माध्यम से वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में पाए जाने वाले पक्षियों की विविधता एवं उनकी विशिष्ट आवाजों के प्रति लोगों में जागरूकता विकसित करने का प्रयास किया गया है। वन्य-जीव सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के उन कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने दायित्वों का उत्कृष्ट निर्वहन करते हुए वन्य-जीव संरक्षण, प्रबंधन एवं जन-जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (उत्पादन) श्रीमती बिंदु शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) श्री अग्निगेरी, सदस्य सचिव म.प्र. जैव-विविधता बोर्ड श्री सुदीप सिंह, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रोजेक्ट) श्री एम.एल. मीना, प्रबंध संचालक म.प्र. लघु वनोपज संघ श्रीमती कमलिका मोहंता, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रशासन-2) श्री अजय कुमार यादव, वन संरक्षक भोपाल वृत्त श्री क्षितिज कुमार, वन मंडलाधिकारी भोपाल वनमंडल श्री लोकप्रिय भारती सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी और भी उपस्थित रहे। साथ ही वन्य-जीव प्रेमी, प्रकृति एवं पक्षी विशेषज्ञ, प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी तथा अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

सिर्फ रेसिपीज नहीं किचन के इन कामों में मदद कर सकता है एयर फ्रायर, जानें तरीके



एयर फ्रायर ऐसा किचन अप्लायंस है जो बहुत तेजी से पॉपुलर हुआ, क्योंकि इसमें बहुत कम तेल में क्रंची चीजें बनाई जा सकती हैं. क्या आपको पता है कि डिशेज बनाने के अलावा भी आप इसका कई तरह से यूज कर सकते हैं.

एयर फ्रायर का यूज आज किचन में काफी आम हो गया है. खासकर फिटनेस फ्रीक लोगों को ये काफी पसंद आया, क्योंकि इसमें आप बिना तेल या फिर बहुत कम तेल के भी कई डिशेज बनाकर तैयार कर सकते हैं. ज्यादातर लोग इसमें हेल्दी स्नैक्स बनाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि एयर फ्रायर में सिर्फ कोई डिश ही नहीं बनाई जा सकती है, बल्कि इसका कई और किचन के कामों में भी यूज हो सकता है. खासकर फूड्स में आई नमी को हटाने के लिए आप एयर फ्रायर का इस्तेमाल कर सकते हैं.मानसून अब जाने को है, लेकिन अभी भी बीच-बीच में बारिश हो रही है, जिसके चलते वातावरण में नमी बनी हुई है. कई घरों में तो सीलन तक नहीं सूखी है. ऐसे में बहुत सारी ऐसी चीजें होंगी जिनको फ्रेश बनाने की जरूरत होगी. तो चलिए जान लेते हैं किचन में और किन तरीकों से यूज करें एयर फ्रायर.

बिस्कुट-नमकीन दोबारा बनाएं क्रंची

आपके घर में मेहमानों के लिए इकट्ठा सामान लाकर रखा गया था या आपने कोई होममेड नमकीन बनाकर स्टोर की थी और अब ये बिस्कुट, कुकीज, क्रंची चीजें सील गई हैं और इसी वजह से आपको लग रहा है कि ये खाने के लायक नहीं बची तो रुक जाइए. अगर एयर फ्रायर है तो उसमें इसे डालकर 160 डिग्री पर 3 से 4 मिनट के लिए गर्म कर लीजिए. बस ये दोबारा से बिल्कुल फ्रेश और कुरकुरे हो जाएंगे.

समोसा-कचौरी करें गर्म

अगर हम समोसा-कचौरी जैसे चीजों को दोबारा गर्म करते हैं तो उसमें ढेर सारा तेल भर जाता है. ठंडे होने पर ये खाने में उतने स्वादिष्ट नहीं लगते हैं और इनका क्रंच भी कम हो जाता है. आप इसे भी एयर-फ्रायर में बिना तेल दोबारा से गर्म करके बिल्कुल ताजा बना सकते हैं.

मसालों-नट्स को बनाएं फ्रेश

नमी की वजह से घर में रखे साबुत मसाले नम हो गए हैं और इसमें कम खुशबू आ रही है. ऐसे में डर सताने लगता है कि कहीं उसमें फफूंद न लग जाए. तो बस आपको कुछ नहीं करना है, तेजपत्ता से लेकर इलायची, चक्रफूल, जीरा तक सारे साबुत मसाले एक-एक करके या फिर एक साथ एयर फ्रायर में डालकर कुछ 1-2 मिनट के लिए सेक लें. इनमें दोबारा बिल्कुल फ्रेशनेस आ जाएगी और बढ़िया खुशबू भी आने लगेगी. इसी तरह से आप ड्राई फ्रूट्स और नट्स की नमी भी दूर कर सकते हैं.

ब्रेड-पाव को बनाएं फ्रेश

अगर घर में ब्रेड रखी है या फिर पाव था और फ्रिज में रखने की वजह से इसमें नमी आ गई है या ये ज्यादा ड्राई लग रहा है तो सिंपल तरीका है. नमी वाले पाव और ब्रेड को एयर फ्रायर में सीधे 2-3 मिनट के लिए गर्म कर लें और अगर ये ड्राई हो गए हैं तो हल्का सा पानी मिला हुआ ऑयल स्प्रे करके इसे बस 1 मिनट गर्म करें. इसी तरह से आप कुलचा, पनीर टिक्का, शकरकंदी वगैराह को भी पका सकते हैं.

सामाजिक प्रतिक्रांति का युद्धघोष



राष्ट्रीय आंदोलन से उन्मुक्त हुई सामाजिक क्रांति को पलटने के लिए संघ-भाजपा का प्रतिक्रांतिकारी हमला दो टांगों पर खड़ा है–हिंदू श्रेष्ठतावाद और मनुवाद या ब्राह्मणवाद, जिसमें सवर्णवाद और मर्दवाद दोनों का योग है। शासन के विभिन्न स्तरों तक इस हमले के पहुंचने से सामाजिक प्रतिक्रांति का वास्तविक खतरा पैदा हो गया है।पितृसत्ता से लेकर जाति का विनाश, इतिहास के गैर-ब्राह्मणवाद से मनु का श्राप तक%–पहली नजर में बेशक यह किसी को भी सामाजिक सुधार और जागरण की कार्यसूची लग सकती है। जाहिर है कि फुले दम्पति, पेरियार, डॉ अम्बेडकर तथा अन्य तमाम समाज सुधारकों की नहीं, अपने जरा अलग तरीके से गांधी की तथा उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय आंदोलन की कार्यसूची का भी यह सब जरूरी हिस्सा रहा था। इसीलिए तो, इस राष्ट्रीय आंदोलन के गर्भ से जिस स्वतंत्र भारत का जन्म हुआ, उसका संविधान कम से कम इस कार्यसूची के अनुरूप जरूर था। इससे स्वाभाविक अपेक्षा तो यही की जाती है कि देश की शिक्षा व्यवस्था और खासतौर पर उच्च शिक्षा व्यवस्था इस सामाजिक कार्यसूची को आगे बढ़ाने में मददगार होगी। हैरानी नहीं होगी कि इनके पांवों तले कुचले जाते रहे तबकों के बीच से तथा उनके हमदर्दों की कुछ गर्म आवाजें पितृसत्ता, जाति व्यवस्था, इतिहास के ब्राह्मणवाद और मनुवाद को %जहर% बताएं और इसकी काट या एंटी-डोट की तलाश को अपनी विद्वत्ता का लक्ष्य बनाएं। यह सामाजिक क्रांति का वह एजेंडा है, जिसे राष्ट्रीय आंदोलन पूरा तो नहीं कर सका, पर उसने बलपूर्वक देश के सामने रखा ही नहीं था, ऐसी शक्तियों को भी उन्मुक्त कर दिया था, जो इस एजेंडा को आगे ले जाने वाली थीं।लेकिन, इसके उलट को क्या कहेंगे? पितृसत्ता के विरोध को, जाति के विनाश की वकालत को, इतिहास के ब्राह्मणवाद की तथा मनु की आलोचना को ही अगर कोई %जहर% बताए तो? स्वाभाविक रूप से इसका एक ही जवाब हो सकता है–यह तो सामाजिक प्रतिक्रांति का एजेंडा है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संघ-भाजपा की सरकार के दबे-छुपे ढंग से सामाजिक प्रतिक्रांति की शक्तियों तथा प्रवृत्तियों को बढ़ावा देने और उससे ज्यादा खुलेआम सामाजिक क्रांति की प्रवृत्तियों को कमजोर करने की बात तो किसी से छुपी हुई नहीं थी। लेकिन, ऐसा लगता है कि मोदी राज के तीसरे कार्यकाल में सामाजिक प्रतिक्रांति की ताकतों के हाथों में बढ़ते पैमाने शासकीय नीति की बागडोर ही सौंपी जा रही है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में वामपंथी के साथ-साथ अंबेडकरवादी विद्वत्ता/विचारों की मौजूदगी की जांच की सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से सितंबर के आखिर में आयी मांग, इसी सच्चाई को गाढ़े रंग से रेखांकित करती है।इस प्रसंग को चूंकि मुख्यधारा के मीडिया में बहुत हद तक अनदेखा ही कर दिया गया है, जबकि इस मामले में सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय की हैरान करने वाली सक्रियता स्पष्ट रूप से देखने को मिलती है, जो पूरे शासन के इस दिशा में प्रवृत्त होने का संकेत देती है, इसलिए हम यहां इस प्रसंग का थोड़े विस्तार से जिक्र करना चाहेंगे। इस प्रकरण की शुरूआत, 26 सितंबर को, सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर आए एक गुमनाम ट्वीट से होती है। इस ट्वीट में देश के वर्तमान नीति निर्धारकों को चेताया जाता है कि पितृसत्ता, जाति, ब्राह्मणवाद, मनुवाद की आलोचनाओं का %जहर% युवा दिमागों में भरा जा रहा है, जिसके जरिए वामपंथी जुंडली शिक्षण का उपयोग अपनी कतारों में भर्ती के लिए रंगरूट तैयार करने के लिए कर रही है!बहरहाल, वामपंथ पर हमले की आड़ में वास्तव में सामाजिक रूप से उत्पीड़ितों, खासतौर पर वंचित जातियों तथा महिलाओं के अधिकारों तथा उनकी समानता की पुकारों का रास्ता खोलने वाली और उनका रास्ता रोकने वाली मेधाओं को उच्च शिक्षा के दायरे से बहिष्कृत ही करने की आरएसएस की मांग तब पूरी तरह से उजागर हो जाती है, जब उक्त ट्वीट के साथ लगायी गयी सूची में डॉ. अंबेडकर की %एन्हिलेशन ऑफ कास्ट% से लेकर, पेरियार, फुले दम्पति तक के लेखन को उक्त %जहर% के उदाहरण के रूप में गिनाया जाता है। ट्वीट के साथ जोड़ी गयी तस्वीर में पूरी 35 पुस्तकें हैं, जिनमें आसानी से समझ में आने वाले कारणों से, महिला लेखिकाओं की संख्या अनुपातहीन तरीके से ज्यादा है। यानी यह वामपंथ का नाम लेकर, हर प्रकार की प्रगतिशील धाराओं और खासतौर पर जातिभेद-विरोधी तथा लिंगभेद-निषेधक बराबरी के विचारों को शिक्षा के दायरे से उसी तरह बहिष्कृत करने के प्रयासों का एक उदाहरण है, जिस तरह के हमलों के जरिए ब्राह्मणवाद ने बहुत पुराने जमाने में चार्वाक और आजीवक जैसी भौतिकवादी दार्शनिक धाराओं को हाशिए से भी नीचे धकेल दिया था।इस गुमनाम ट्वीट के आने के बाद जो कुछ होता है, वह और भी ज्यादा मानीखेज है। प्रधानमंत्री कार्यालय इस ट्वीट का स्वत-संज्ञान लेकर, उच्च शिक्षा विभाग को इस संबंध में एक चिट्ठी लिखता है और संबंधित विभाग उसी दिन, यानी 27 सितंबर को ही सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों को चिट्ठी लिखकर उनसे फौरन इन शिकायतों पर उनका जवाब मांगता है। जाहिर है कि केंद्रीय विश्वविद्यालय तुरंत इस मामले की समीक्षा में जुट जाते हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों से इस शिकायत के सिलसिले में पूछा गया एक सवाल और भी ज्यादा आशंकाएं पैदा करने वाला है। उन्हें यह भी बताना है कि उक्त %जहर% फैलाने वाले विचारकों/ लेखकों से जुड़े पाठ्यक्रमों में कितने छात्र हैं। यानी कुल मिलाकर इस जहर के फैलने और फैलाने का पैमाना कितना है? इसके लिए कितनी और कैसी घेरेबंदी की जरूरत होगी?बेशक, जातिवाद तथा मर्दवाद के पक्ष में वर्तमान शासन के सीधे हस्तक्षेप का यह पहला उदाहरण हो भी, तब भी इसके पीछे चले आ रहे एक लगातार जारी सिलसिले को याद रखना जरूरी है। पाठकों को याद होगा कि रोहित वेमुला की संस्थागत हत्या समेत उच्च शिक्षा संस्थाओं में जातिवादी भेदभाव के अनेक प्रकरणों की पृष्ठभूमि में, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर, विश्व विद्यालय अनुदान आयोग ने आधे-अधूरे तरीके से जो दिशा-निर्देश तैयार किए थे, उनके खिलाफ भी जाहिर है कि संघ परिवार के संगठनों की संलिप्तता के साथ, विरोध का तूफान खड़ा करने की कोशिश की गयी थी। तुरंत सुप्रीम कोर्ट ने भी इसकी सुनवाई कर, इन दिशानिर्देशों पर रोक ही लगा दी थी।

सवर्ण गोलबंदी के इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, नीट परीक्षाओं की धांधली से भड़के छात्रों और युवाओं के जंतर-मंतर आंदोलन के बाद के दौर में, उसके समानांतर सवर्ण युवाओं की लामबंदी की कोशिशों के जरिए, युवाओं को बांटने की कोशिश की गयी थी। और जब यह कोशिश, खास कामयाब नहीं हुई, तब जंतर-मंतर आंदोलन के फौरन बाद, आरक्षण व्यवस्था में सुधार के नाम पर, आरक्षण-विरोधी आंदोलन खड़ा करने की कोशिश की गयी। यह दूसरी बात है कि इसका ज्यादा व्यापक प्रभाव नहीं नजर आया, उल्टे इसके पीछे सत्ताधारी भाजपा तथा संघ के नेताओं का हाथ होने का सच ही उजागर हो गया। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के उप-मुख्यमंत्री, बृजेश पाठक खासतौर पर इस खेल के पीछे खड़े नजर आ रहे थे और उनकी सरकार इसे छुपाने की कोई कोशिश भी नहीं कर रही थी। इसी खुल्लमखुल्लापन को अब केंद्र की शिक्षा नीति में अगली मंजिल पर पहुंचा दिया गया है।यह भी याद रहे कि संघ परिवार पहले से ही जातिवाद तथा लिंगभेद की सच्चाइयों को ही नकारने के जरिए, इन असमानताओं को मिटाने के संघर्षों को ही गैर-जरूरी साबित करने में लगा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, इसी प्रतिगामी रुख की शासकीय नीति के स्तर पर अभिव्यक्ति में, मोदी सरकार इसके लिए बराबर लड़ती आयी है कि रंगभेद-विरोधी वैश्विक एकजुटता में, भारत के जाति भेद के जिक्र को हर्गिज शामिल नहीं किया जाए। इसी प्रकार, पश्चिमी देशों में कुछ शैक्षणिक परिसरों में जहां भारतीय छात्रों की भी ठीक-ठाक उपस्थिति है, जब भी भेद-भाव विरोधी पहलों के हिस्से के तौर पर, जाति-भेद विरोधी कदमों के शामिल किए जाने की बात आयी है, संघ परिवार से जुड़े संगठनों ने ही नहीं, उनकी पीठ पर हाथ रखने के जरिए वर्तमान सरकार ने भी, ऐसी सभी कोशिशों का विरोध ही किया है। यह आरएसएस के बुनियादी एजेंडा को ही दिखाता है, जो अपने सारे दिखावे के बावजूद, जातिवादी तथा लिंगभेदी, विशेषाधिकारों का हिमायती ही बना रहा है। इतिहासराष्ट्रीय आंदोलन से उन्मुक्त हुई सामाजिक क्रांति को पलटने के लिए संघ-भाजपा का प्रतिक्रांतिकारी हमला दो टांगों पर खड़ा है–हिंदू श्रेष्ठतावाद और मनुवाद या ब्राह्मणवाद, जिसमें सवर्णवाद और मर्दवाद दोनों का योग है। शासन के विभिन्न स्तरों तक इस हमले के पहुंचने से सामाजिक प्रतिक्रांति का वास्तविक खतरा पैदा हो गया है। जातिगत तथा लैंगिक समानता समेत, हर तरह की समानता की सोच आज निशाने पर है। कथित दिमागी नक्सलों के खिलाफ युद्ध की वर्तमान संघी सत्ता की पुकार, इसी सामाजिक प्रतिक्रांति का युद्धघोष है।

संपादकीय

जिम्मेदारी का पर्यटन

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हिमालय के संवेदनशील इलाकों में धार्मिक पर्यटन के लिये निकले लोग ऐसा व्यवहार करते हैं मानो यह क्षेत्र उनकी विलासिता की सैरगाह हो। वे अपनी सुख-सुविधाओं को प्राथमिकता देते हैं और इस इलाके के नैसर्गिक परिवेश से खिलवाड़ करते हैं। मिली सूचनाओं के अनुसार इस साल सितंबर के मध्य तक, चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्री 800 टन से अधिक का कचरा वहां फेंक आए हैं। वहीं यदि हेमकुंट साहिब और वैली ऑफ फ्लॉवर्स का कचरा भी इसमें शामिल कर लें तो मात्रा और अधिक हो जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं में तीन हजार मीटर से ज्यादा ऊंचाई पर प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और डिस्पोजेबल चीजें पायी गई हैं। निस्संदेह, इससे यही संकेत मिलता है कि यात्री इन धार्मिक स्थलों के आसपास ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे यह उनकी मौज-मस्ती की जगह हो। यह जानते हुए कि इन दुर्गम इलाकों में शहरों की तरह कचरे निपटान की पर्याप्त व्यवस्था और क्षमता नहीं है। सही मायने में यदि तीर्थयात्री किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर निकलें तो तीर्थयात्रा पर आध्यात्मिक छाप पड़नी चाहिए, न कि प्लास्टिक के कचरे की। यही वजह है कि संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में धार्मिक पर्यटन का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल केदारनाथ धाम के हालिया आंकड़ों को चेतावनी की तरह लिया जाना चाहिए। बताते हैं कि अप्रैल से अगस्त के बीच इस तीर्थ स्थल पर तीर्थयात्रियों द्वारा छोड़ा गया 50.30 टन कचरा जमा हुआ। यह कचरा वर्ष 2023 से 2025 के बीच किसी भी पूरे साल में जमा हुए कचरे से कहीं ज्यादा पाया गया है। जो हिमालयी पारिस्थितिकीय संतुलन की दृष्टि से बेहद चिंता का विषय है। लेकिन तमाम तीर्थ यात्रियों के इस अराजक व्यवहार के विपरीत 'कैरी मी बैक' अभियान की पहल एक नई उम्मीद भी जगाती है।उल्लेखनीय है कि कैरी मी बैक मुहिम के तरत लगभग पांच हजार तीर्थयात्री इस इलाके में करीब 18 किलोमीटर के रास्ते में 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लेकर आए हैं। निस्संदेह, यह पहल काबिले तारीफ व प्रेरणादायी है। ऐसी मुहिम तीर्थयात्रियों को पर्यावरण संरक्षण की पहल में भागीदार बनाती है। इसके बावजूद ये प्रयास एक जिम्मेदार पर्यटन नीति की जगह नहीं ले सकते। ऐसे में बड़ा प्रश्न यह है कि पहाड़ों तक इतना कचरा क्यों और कैसे पहुंचता है। ऐसा भी नहीं है कि यह समस्या केवल केदारनाथ तक ही सीमित हो। लेकिन इसके बावजूद कुछ सकारात्मक उदाहरण नई उम्मीद भी जगाते हैं। इस साल अमरनाथ यात्रा के दौरान, दोबारा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं में विस्तार की वजह से अच्छे परिणाम सामने आए हैं। इस यात्रा के दौरान यात्रियों की संख्या में 17 फीसदी की बढ़ोतरी के बावजूद प्रति यात्री द्वारा छोड़े जाने वाले कचरे में 15 फीसदी की कमी आई है। निश्चित रूप से ऐसे सकारात्मक प्रयास आम बात हो जानी चाहिए। तीर्थ यात्रा के प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को सिर्फ तीर्थयात्रियों को अपील करने के बजाय उनकी जवाबदेही तय करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। सिंगल-यूज प्लास्टिक को रेगुलेट करना, बोतलों और पैकेजिंग पर डिपॉजिट सिस्टम लागू करना, रिफिल प्वाइंट बढ़ाना, कचरे को स्रोत पर ही अलग-अलग करने की व्यवस्था करना जरूरी है। वेंडरों को उनके उत्पादों से पैदा होने वाले कचरे के लिये जिम्मेदार बनाना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर धार्मिक पर्यटन स्थलों पर लगातार बढ़ते तीर्थयात्रियों के दबाव को टालने के लिये वैज्ञानिक तरीके से उनकी संख्या को सीमित करने की जरूरत होती है। निश्चित रूप से आस्था का मतलब पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी से छूट नहीं है। किसी भी पवित्र पवर्त की सीमाओं का सम्मान करना, उस आस्था का सम्मान करने का ही एक हिस्सा है, जिसे वह पर्वत दर्शाता है।

चीन-पाकिस्तान रक्षा गठजोड़ और भारत की रणनीतिक विवशता



दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक परिदृश्य में शक्ति संतुलन तेजी से करवट बदल रहा है। पिछले कुछ समय में चीन और पाकिस्तान के बीच रक्षा और सामरिक सहयोग जिस आक्रामकता के साथ आगे बढ़ा है, उसने नई दिल्ली के सुरक्षा गलियारों में खतरे की घंटी बजा दी है। हाल ही में चीन द्वारा पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के अत्याधुनिक स्टेल्थ लड़ाकू विमान, विशेष रूप से जे-35 और जे-31 की आपूर्ति करने की खबरें और पाकिस्तानी पायलटों की चीनी वायुसेना के साथ बढ़ती संयुक्त ट्रेनिंग महज एक द्विपक्षीय सैन्य सौदा नहीं है। यह भारत की संप्रभुता, हवाई श्रेष्ठता और दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए एक सीधी और गंभीर चुनौती है। भारतीय वायुसेना के नेतृत्व ने भी इस उभरते खतरे को खुले तौर पर स्वीकार किया है। आज भारत के सामने सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि वह एक तरफ घटती हुई लड़ाकू विमानों की स्क्वाड्रन क्षमता और दूसरी तरफ ÷टू-फ्रंट वॉर÷ (दो मोर्चों पर युद्ध) की वास्तविक होती आशंका के बीच अपनी सैन्य संप्रभुता को कैसे अक्षुण्ण बनाए रखे। यह संपादकीय इस रक्षा सौदे के गहरे रणनीतिक निहितार्थों, भारत की वर्तमान वायुसैनिक कमजोरियों और इस चक्रव्यूह से बाहर निकलने के व्यावहारिक रास्तों का एक विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

ऐतिहासिक रूप से, भारत ने पारंपरिक सैन्य मोर्चे पर हमेशा पाकिस्तान के खिलाफ एक गुणात्मक और संख्यात्मक बढ़त बनाए रखी है। 1965, 1971 और 1999 के युद्धों में भारतीय वायुसेना की तकनीकी और रणनीतिक श्रेष्ठता ने निर्णयकारी भूमिका निभाई थी। यहाँ तक कि हाल के वर्षों में फ्रांस से मिले 4.5 पीढ़ी के राफेल विमानों ने पाकिस्तान की वायुसेना के अमेरिकी एफ-16 विमानों पर भारत को एक स्पष्ट मनोवैज्ञानिक और तकनीकी बढ़त दे दी थी। लेकिन चीन द्वारा पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट सौंपने की यह नई डील इस स्थापित संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ने की क्षमता रखती है।पांचवीं पीढ़ी के विमानों की सबसे बड़ी खासियत उनका %स्टेल्थ% होना होता है, यानी वे दुश्मन के रडार की नजरों से बचकर बेहद करीब तक हमला करने में सक्षम होते हैं। यदि पाकिस्तान इन विमानों को अपनी वायुसेना में सफलतापूर्वक शामिल और संचालित कर लेता है, तो भारत की मौजूदा हवाई रक्षा प्रणालियों और राफेल जैसे 4.5 पीढ़ी के विमानों की प्रभावशीलता पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। चीन इस सौदे के जरिए न केवल भारत को अपने पड़ोस में उलझाए रखना चाहता है, बल्कि वह भारतीय उपमहाद्वीप में अमेरिकी प्रभाव और भारत की बढ़ती वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को भी सीमित करना चाहता है। यह सौदा साफ तौर पर दर्शाता है कि पाकिस्तान अब चीनी सेना के एक %प्रॉक्सी% के रूप में काम कर रहा है, जिसका एकमात्र उद्देश्य भारत की सैन्य ऊर्जा को निरंतर सोखना है।इस बाहरी खतरे के बीच, भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी आंतरिक रक्षा तैयारियों की धीमी रफ्तार है। भारतीय वायुसेना को किसी भी दोहरे मोर्चे (चीन और पाकिस्तान) की चुनौती से निपटने के लिए कम से कम 42 लड़ाकू विमानों की स्क्वाड्रन की आवश्यकता स्वीकृत है। इसके विपरीत, वर्तमान में यह संख्या खतरनाक रूप से घटकर महज 29 स्क्वाड्रन पर आ गई है। मिग-21 जैसे पुराने सोवियत कालीन विमानों के चरणबद्ध तरीके से बाहर होने और नए विमानों के शामिल होने की बेहद धीमी दर ने इस खाई को और चौड़ा कर दिया है।

इस संकट को और गहरा करने में हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादन की कछुआ चाल ने बड़ी भूमिका निभाई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित किए जा रहे तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में लगातार हो रही देरी ने वायुसेना के आधुनिकीकरण के पहियों को जाम कर दिया है। स्वदेशीकरण और %आत्मनिर्भर भारत% का नारा अपनी जगह बेहद सराहनीय और आवश्यक है, लेकिन जब वास्तविक युद्ध की रणनीतियों की बात आती है, तो नारों से ज्यादा जमीन पर विमानों की उपलब्धता मायने रखती है। भारत अपने लड़ाकू विमानों की संख्या को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है, जबकि उसके दोनों पड़ोसी देश अपनी फ्लीट को न केवल आधुनिक बना रहे हैं, बल्कि उनकी संख्या में भी भारी इजाफा कर रहे हैं। वायुसेना प्रमुख के अनुसार, यदि भारत को अपनी खोई हुई हवाई श्रेष्ठता वापस पानी है, तो उसे हर साल अपनी फ्लीट में कम से कम 36 से 40 नए फाइटर जेट शामिल करने होंगे, जो कि वर्तमान उत्पादन क्षमता को देखते हुए एक बेहद कठिन लक्ष्य प्रतीत होता है।हालांकि स्थिति चिंताजनक है, लेकिन सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को तुरंत किसी घबराहट या पैनिक में आने की आवश्यकता नहीं है। किसी भी लड़ाकू विमान की क्षमता महज उसकी कागजी विशिष्टताओं या उसकी पीढ़ी से तय नहीं होती। युद्ध में सबसे महत्वपूर्ण होता है सिस्टम इंटीग्रेशन% । पाकिस्तान को चीन से विमान तो मिल सकते हैं, लेकिन उन्हें अपने मौजूदा पश्चिमी और चीनी रडार नेटवर्क, मिसाइल प्रणालियों और कमांड-एंड-कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ पूरी तरह से एकीकृत करने में वर्षों का समय लगेगा। चीनी तकनीक की विश्वसनीयता और वास्तविक युद्ध स्थितियों में उसका प्रदर्शन हमेशा से संदेह के घेरे में रहा है।

इसके अतिरिक्त, वायु रक्षा केवल लड़ाकू विमानों के भरोसे नहीं लड़ी जाती। भारत ने हाल के वर्षों में अपनी जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों को बेहद मजबूत किया है। रूस से मिली एस-400 ट्रिम्फ वायु रक्षा प्रणाली और भारत के अपने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन तथा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (द्वारा विकसित किए जा रहे आधुनिक एंटी-स्टेल्थ रडार नेटवर्क इस खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं। एंटी-स्टेल्थ रडार कम तरंग दैर्ध्य का उपयोग करके स्टेल्थ विमानों की अदृश्यता को बेअसर करने की क्षमता रखते हैं। इसलिए, चीनी विमानों का पाकिस्तान की फ्लीट में आना भारत के लिए चुनौती जरूर है, लेकिन यह कोई ऐसी अभेद्य दीवार नहीं है जिसे तोड़ा न जा सके।

इस सामरिक गतिरोध को तोड़ने के लिए भारत को एक बहुआयामी और त्वरित रणनीति पर काम करना होगा। पहली प्राथमिकता तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने की होनी चाहिए। भारत पिछले कई वर्षों से 114 मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट की खरीद प्रक्रिया को अटकाए हुए है। नौकरशाही की लालफीताशाही और बजटीय सीमाओं के कारण इस सौदे पर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए, भारत सरकार को इसी वित्तीय वर्ष के भीतर फ्रांस के साथ राफेल या किसी अन्य समकक्ष विमान के लिए स्क्वाड्रन डील को अंतिम रूप देना होगा। यह वायुसेना के घटते स्क्वाड्रन को तुरंत ऑक्सीजन देने जैसा होगा।

दूसरी रणनीति दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता की होनी चाहिए। भारत का अपना पांचवीं पीढ़ी का विमान कार्यक्रम, जिसे %एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट कहा जाता है, अभी भी डिजाइन और शुरुआती विकास के चरणों में है। सरकार को इस परियोजना को %मिशन मोड% में डालना होगा और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देकर इसकी समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि स्रोत के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रुख अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्टेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की तकनीक हस्तांतरण की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में रणनीतिक जिद से ज्यादा व्यावहारिक निर्णय मायने रखते हैं।



त्योहार पर पाएं दमकती त्वचा



त्योहार के समय वातावरण खुशनुमा, आनंदित और उर्जापूर्ण होता है। बच्चे, बूढ़े, जवान, महिलाएं, पुरुष सब नए-नए वस्त्र पहनकर जश्न मनाने के मूड में होते हैं और एक दूसरे के साथ उपहार का आदान-प्रदान करते रहते हैं साथ हीं साथ पूजा आराधना भी करते हैं।

त्योहार के समय अच्छे-अच्छे कपड़े तो लोगों को तुरंत और दुकानों पर उपलब्ध हो जाते हैं और उन कपड़ों को पहनने के बाद भी कई महिलाओं को लगता है की उनकी त्वचा रुखी सूखी है जिसकी वजह से उन्हें अपनी सुन्दरता में कमी नजर आती है। और उनके मन के कोने में हमेशा यह बात बैठी रहती है जिसकी वजह से उनके त्योहार का मजा किरकिरा होने लगता है। जी हाँ! यदि आपकी त्वचा चमकती हुई नहीं है या उनमें रूखापन है तो आपको हमेशा यह डर भी सताता रहेगा की इससे कही आपकी सुन्दरता में कमी न आ जाये। इससे आपका आत्मविश्वास भी कम होगा। जबकि दमकती त्वचा आपकी सुन्दरता में चार चाँद लगा देगी। तो अगर आप घरेलू उपाय से कम से कम समय में त्वचा में निखार पाना चाहती हैं तो नीचे दिए गए उपायों पर अमल करें।

घरेलू प्रयोग

अपनी त्वचा को नियमित रूप से साफ़ करने के लिए जई, जिसे अंग्रेजी में ओट्स कहते हैं, को दूध या दही में मिलाकर घोल बना लें और उसे अपने चेहरे पर मलें । करीबन 10 मिनट बाद उसे धो दें और एक नर्म तौलिये से उसे सुखा दें।

जिनकी त्वचा शुष्क होती है, उन्हें दूध या दही, और ग्लिसरीन और शहद के साथ बादाम चूरा मिलाकर लगाना चाहिए। बादाम और शहद बहुत ही बढ़िया मॉइसचराईज़र होते हैं।

मौसमी फलों का लाभ उठाएं। नारंगियां सौम्य ब्लीचिंग एजेंट होती हैं और स्ट्राबैरी त्वचा के तेल पर नियंत्रण रखती हैं।

त्वचा में पाए गए खुले छिद्र पूरी तरह से बंद नहीं किये जा सकते पर सिकोड़े ज़रूर जा सकते हैं और वह इस तरह अंडे के सफ़ेद भाग और शहद का घोल बनाकर अपने चेहरे पर मलें और 10 मिनट बाद उसे धो डालें। इससे त्वचा में खुले हुए छिद्र सिकुड़ और कस जायेंगे। और चेहरे के महीन बाल भी गायब हो जायेंगे।

पेशेवर उपचार

अगर आपके पास ऊपर बताये गए नुस्खों के लिए समय नहीं है, तो आप किसी स्पा यानि कि स्वास्थ्य केंद्र की सहायता ले सकती हैं।

आजकल कई स्पा आपके सौंदर्य में चार चांद लगाने के लिए 24 कैरेट स्वर्ण भस्म और नैसर्गिक सामग्रियां जैसे कि दूध, नींबू और चॉकलेट या गुलाब का प्रयोग करते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि त्योहार से कम से कम 15 दिन पहले सौंदर्य उपचार कराना चाहिए ताकि त्योहार पर त्वचा की बढ़ी हुई दमक लोग देखते ही रह जाएं।

आपको अपनी इस नई दमकती त्वचा के सौंदर्य को बनाये रखने के लिए, सन स्क्रीन का भी उपयोग करना चाहिए। आप अपनी त्वचा को नम रखें, ताकि सौन्दर्य उपचार का प्रभाव लंबे समय तक बना रहे।

पूरे शरीर को सुंदर और कोमल बनाने के लिए हल्दी, अच्छे चन्दन के चूरे और दूध का घोल बनाकर अपने पूरे शरीर पर मल दें और एक तौलिये से लपेट लें और करीबन एक घटे के बाद नहा लें।

यह बॉडी रैप न सिर्फ आपकी त्वचा को आभा प्रदान करता है, बल्कि उसके छिद्रों को भी साफ़ कर देता है। इसके बाद आप अमरुद के गूदे और दही का घोल बनाकर अपने चेहरे पर मल दें और थोड़ी देर बाद धो दें। इससे आपके चेहरे पर रह गए हल्दी के दाग गायब हो जायेंगे। या फिर गाजर के गूदे और दही का घोल बनाकर पूरे शरीर पर मल दें। इससे भी आपके शरीर पर से हल्दी के बचे खुचे निशान मिट जायेंगे।

सफेद बालों से पाएं छुटकारा

सफेद बाल, अगर आप उसका अंगिकार करते हैं सुरुचिपूर्ण और स्टाइलिश हो सकते है। यह व्यक्ति की पसंद पर निर्भर करता है। अगर कोई व्यक्ति सफेद बालों को दिखाना पसंद नहीं करता है, तो वैकल्पिक रूप से उसे छिपा सकते है। यहां सफेद बालों के संकट को हल करने के लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं

किसी की उम्र 16 हैं या 60 साल की है, सफेद बाल हमेशा किसी या अन्य दिन अचानक प्रकट हो सकते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बालों में रंगद्रव्य उत्पादन करने वाले पदार्थ कम होते है, और बालों को किसी भी रंग के बिना छोड़ते है। यह भूरे या सफेद बाल उनके साथ कुछ नई चुनौतियों लाते है, हालाकि इसपर आसान समाधान उपलब्ध हैं और आपके बालों को कुछ



स्टाइलिश और आकर्षक बना सकते हैं।

कुछ लोग केवल कुछ बाल सफेद होने की समस्या का सामना करते हैं, लेकिन यह सफेद हुए बाल भी ऐसे जगह दिखते है, जहां सबका ध्यान आकर्षित होता हैं। इन सफेद बालों के संकट को दूर करने का एक समाधान है, इन बालों को उखाड़ देना। क्योंकि सफेद बाल अधिक सूखे और भंगुर होते हैं, अगर कोई एक आकर्षक केश रचना करता है, तो भी वे काटे की तरह खड़े रह सकते हैं। इसलिए, अगर आपके ज्यादा बाल सफेद नही हैं, तो आपको उन्हें उखाड़ना चाहिए। इस आम धारणा के विपरीत, की अगर आप एक सफेद बाल उखाड़ेंगे तो उस जगह दो नये सफेद बाल उगेंगे। यदि आपके बाल जल्दी सफेद हो रहे है, तो जब भी आप बाल उखाड़ते है, तो ऐसा लग सकता है, की सफेद बालों की संख्या हर बार आपके बाल उखाड़ने पर बढ़ रही है, लेकिन ऐसा नही है, चाहे आप पहले बाल उखाड़े या नही उनका बढ़ना शुरु रहेगा।

कुछ ऐसे मामले है, जहा लोगों को सफेद बालों को रंगने में समस्या का सामना करना पड़ता हैं। चाहे आप अपने बालों को खुद रंगाए या एक पेशेवर से रंगाए, स्टाइलिस्ट आपको आपके लिए क्या सबसे अच्छा रहेगा इस पर सुझाव दे सकते हैं। आपके रंगों की पसंद के बारे में अपने स्टाइलिस्ट से बात करें, बाजार में कई प्रकार के रंग आज उपलब्ध हैं, कई महिलाओं को उनके प्राकृतिक बालों के रंग से एक या दो शेड हल्का गहरा रंग आसानी से मिल सकता हैं। जैसा कि पहले उल्लेख किया है, अगर आपके सफेद बाल उखाड़ने से परे बहुत ज्यादा व्यापक है, लेकिन समान रूप से वितरित है और आपके बालों का प्राकृतिक रंग अभी भी प्रमुख है, तो स्टाइलिस्ट आपके सफेद बालों को अलग से रंग कर हायलाइट या लोलाईट करके मिश्रित कर सकते है।

कभी कभी, सफेद बालों के संकट के साथ लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वह सालों तक बालों को छुपाते है। और अब क्योंकि लगभग सभी बाल सफेद हो जाते हैं, उनको उन्हे अपने प्राकृतिक रंग में बनाने की इच्छा होती हैं। इस के लिए एक समाधान है, कि जब सफेद बालों कों वास्तव में रंग का अभाव होता है, तब आपके सफेद बालों को रंगना और अधिक मुश्किल होगा। इसलिए, आप रंगों के शेड में क्त्रमिक बदलाव कर सकते है, जब आपके सफेद बाल बढ़ते है, तब सफेद बालों को रंगानें वाले साधनों का धीर-धीरे इस्तेमाल करे। वैकल्पिक रुप में आप बालों की जडों पर अस्थायी या अर्ध स्थायी रंगों से रंग सकते हैं। यहां आपकी मदद करने वाले उत्पाद आपके सफेद बालो को छुपाएंगे और बहुत बार शैंपू कर के रंग निकालने के बजाय और एक बार धोने से रंग के निकल जाने के बाद आप तय कर सकते हैं कि क्या आपको किसी अन्य अनुप्रयोग की आवश्यकता है। आप जिसका भी चुनाव करे, एक कम समय की केश रचना परिवर्तन समय को कम करने में मदद करेगी।



हर दिन लगे ब्यूटीफुल

खूबसूरत दिखना हर किसी की प्राथमिकता नहीं हो सकती। अगर आपके पास हर दिन अच्छी तरह तैयार होने का समय नहीं होता है तो कम से कम इतना तो आप तय कर सकती हैं, कोई ऐसी कमी न रह जाए जो आपके पूरे रूप को खराब कर दे। मसलन जिस दिन आप तैयार हों, मेकअप तो कर लें लेकिन नाखूनों पर लगी उखडी हुई नेलपॉलिश हटाना भूल जाएं। ऐसी ही छोटी-छोटी गलतिया हम जाने-अनजाने कर जाते हैं जो हमारे सौंदर्य पर ग्रहण लगा देती हैं। सौंदर्य विशेषज्ञा विद्या टिकारी के अनुसार मेकअप का बेसिक तरीका हर किसी के लिए जानना जरूरी है। यहा वह आपको ऐसी ही कुछ छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण बातें बता रही हैं जिन्हें अपनाकर आप हमेशा स्मार्ट और सुंदर दिख सकती हैं।

उखडी हुई नेलपॉलिश

नाखूनों पर लगी उखडी हुई नेलपॉलिश यह दर्शाती है, कि आप अपने सौंदर्य के प्रति जरा भी सचेत नहीं है। या तो आप नई नेल पॉलिश लगाएं या फिर रिमूवर से नाखून साफ करके यूं ही छोड दें। लेकिन आधी-अधूरी उखडी हुई नेलपॉलिश आपकी छवि को खराब कर देती है। अगर आपका नेल रिमूवर खत्म हो गया है, तो कोई भी डार्क शेड्स की नेलपॉलिश लगाने से पहले रिमूवर की बॉटल जरूर खरीद लें। लगभग 3-4 दिन में आपकी नेलपॉलिश उखडने लगती है। ऐसे में या तो आप नेलपॉलिश का दूसरा कोट उसके ऊपर लगाएं या रिमूवर से साफ करके नई नेल पॉलिश लगाएं। अगर आपके पास बार-बार नेलपॉलिश हटाकर दूसरी लगाने का समय नहीं होता है, या आप इस ओर ध्यान नहीं दे पाती हैं, तो बेहतर होगा कि आप हमेशा लाइट शेड वाली नेल पॉलिश चुनें। ताकि उखडने पर लोगों का ध्यान उस तरफ न जाए।

सफेद बाल

अगर आपके बाल सफेद होना शुरू हो गए हैं और आप अपने बालों में नियमित रूप से हेयर कलर का प्रयोग करती हैं, तो यह बहुत जरूरी है कि हेयर कलर आपके बालों की जड़ों के पास जरूर लगा हो। वरना सिर की त्वचा के पास दिखने वाले सफेद बाल आपके लुक को खराब कर देते हैं। इसलिए इस बात का भी ध्यान रखें कि बालों की जडों के पास हमेशा गहरा काला रंग न लगाएं। ताकि अगर कभी



हेयर कलर कराने में देर हो जाए तो वहा आए सफेद बाल बहुत अधिक खराब न लगें। बेहतर होगा कि आप दो शेड के हेयर कलर चुनें। ताकि यह स्ट्रीक्ड इफेक्ट दे। यह विकल्प अपने बालों के प्राकृतिक रंग से मेल खाता जेट ब्लैक कलर चुनने से अधिक बेहतर होगा। बाजार में तमाम शेड्स के हेयर कलर उपलब्ध हैं, अपनी स्किन टोन से मेल खाता कोई भी कलर आप चुन सकती हैं। यह सफेद बाल नजर आने से बेहतर होगा। ब्राउन और माहोगनी शेड्स आसानी से चुनें जा सकते हैं। कभी माहोगनी और कभी ब्राउन कलर कराएं। ताकि ग्रे हेयर लोगों को नजर न आएं।

रूखे, बिखरे बाल

रूखे, बेजान व बिखरे बालों की देखभाल के तमाम उपाय बाजार में उपलब्ध हैं। लेकिन आप तब भी उन्हें नहीं अपनाती तो यह आपकी गलती है। बाल हर स्त्री की क्त्राउनिंग ग्लोरी होते हैं। कम से कम इन्हें सही तो रखें। ऐसे बालों को कभी भी खोलकर न रखें। अत्यधिक रूखे बालों को सही अवस्था में करने के लिए थोडे से पानी में 3-4 बूंद तेल मिलाकर बालों में लगाएं और फिर पोनी बाध लें। इससे वे संवरे और साफ नजर आएंगे। इसी तरह अगर आपके बाल लंबे, घुंघराले व नीचे से पतले हैं तो सिरों को बिना कर्ल किए उन्हें खुला न छोडें। यह बालों को सिरे से एक सपोर्ट देता है।

फैली हुई लिपस्टिक

फैली हुई लिपस्टिक आपके लुक को खराब तो करती ही है, आप कितनी लापरवाह हैं, यह भी दर्शाती है। अगर आपके होंठों में लिपस्टिक अधिक देर तक नहीं टिक पाती, या आप लिपस्टिक खा जाती हैं तो हमेशा क्त्रीमी मैट वाली लाइट शेड की लिपस्टिक चुनें। लगाने से पहले होंठों पर हलका सा फाउंडेशन लगाएं। मैट लिप लाइनर से आउटलाइन बनाएं फिर होंठों को भरें।

बिगडी हुई आइब्रोज

शार्प आईब्रोज का असर जबरदस्त होता है। अगर आपकी ग्रोथ अच्छी है तो नियमित रूप से बनवाना बेहद आवश्यक है। आप कितना ही अच्छा मेकअप कर लें, अगर आइब्रो सही शेप में नहीं हैं तो अच्छा नहीं लगेगा।

अपर लिप

अगर आपके अपर लिप पर काफी बाल है और थ्रेडिंग कराने के बाद उस भाग पर हरापन या लाली रहती है तो कंसीलर से उसे छिपाना न भूलें। अगर आपके बाल अत्यधिक हैं तो अपर लिप एरिया में थ्रेडिंग, वैक्स या ब्लीच जरूर कराएं। आप चाहें तो इसे लेजर के जरिये पर्मानेंट हटा सकती हैं। छोटी-छोटी गलतियों से आपका सौंदर्य प्रभावित हो सकता है, इस बात का हमेशा ध्यान रखें। खुद में सुंदरता का एहसास करें और अपने सौंदर्य को संवारने का प्रयास करें।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : **MPHIN/26/A1603,** संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



ये यौन उत्पीड़न के बराबर है...भद्दे AI Video पर

जान्हवी कपूर

ने तोड़ी चुप्पी, पैपराजी के कैमरा ऐंगल पर भी गुस्सा निकाला

फिल्म 'देवरा- पार्ट 1' के गाने 'चुट्टामल्ले' के डीपफेक वर्जन पर बवाल मच गया है. इस गाने के आपत्तिजनक वीडियो क्लिप पर पहले खुद एक्टर जूनियर एनटीआर ने सवाल उठाया था और एआई के ऐसे भद्दे इस्तेमाल के खिलाफ कानूनी एक्शन की चेतावनी दी थी. जूनियर एनटीआर के बाद विजय देवरकोंडा और चिरंजीवी जैसे बड़े कलाकारों ने भी उस डीपफेक वीडियो क्लिप के खिलाफ आवाज उठाई. अब बवाल के एक दिन बाद एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने भी अपनी चुप्पी तोड़ी है. उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक लंबा बयान जारी किया और महिलाओं से जुड़े डीपफेक AI वीडियो समेत अन्य कई मुद्दे उठाए. उन्होंने इस तरह बिना मर्जी के किसी महिला का कंटेंट बनाने को यौन उत्पीड़न के बराबर माना है.

जान्हवी कपूर ने अपने बयान में लिखा है, महिलाओं को किसी वस्तु की तरह दिखाने और उनकी मर्जी के बगैर झूठे और गलत कंटेंट फैलाने के लिए तकनीक का आपराधिक इस्तेमाल बेहद अपमानजनक है और ये यौन उत्पीड़न के बराबर है. मेरी इंडस्ट्री की लगभग सभी महिलाओं को इसका किसी न किसी तरह से सामना करना पड़ा है, और हर जगह महिलाएं लगातार इसका शिकार हो रही हैं. महिला के शरीर के प्रति सहमति, पसंद और इज्जत मानवीयता के सबसे बुनियादी मूल्यों में से एक होने चाहिए. पर किसी न किसी तरह उन्हें अब भी पेचिदा माना जाता है, जबकि वो नहीं हैं.

न का मतलब न...

जान्हवी कपूर महिला के 'न' कहने की अहमियत समझाते हुए लिखती हैं कि ये हैरानी की बात है कि कुछ लोगों के लिए ये समझना अभी भी मुश्किल है कि अगर कोई महिला लगातार पांच दिन 'हां' कह रही है और छठे दिन 'न', तो उस 'न' की इज्जत होनी चाहिए.

पैपराजी के आपत्तिजनक कैमरा ऐंगल पर क्या बोलीं ?

अपने बयान में उन्होंने पैपराजी वाले मुद्दे पर भी ध्यान आकर्षित कराया है. गलत ऐंगल से महिलाओं की तस्वीर लेने के मामले में कई बार सवाल उठते रहे हैं. इस पर उन्होंने लिखा, अगर वो मिनिस्कर्ट पहनती है तो इससे किसी को इस बात की मंजूरी नहीं मिल जाती कि वो उसकी स्कर्ट के नीचे कैमरा लगाए, और गलत ऐंगल से तस्वीर ले या विजुअल के जरिए उसका उत्पीड़न करे. महिला किस चीज से कंफर्टेबल है, उसकी क्या सीमा है और वो अपने शरीर के साथ क्या करना चाहती है, इसपर फैसले लेने का पूरा हक उस महिला का ही है. ये तो बुनियादी बात है.जान्हवी ने आगे लिखा, पिछले कुछ दिनों में मैंने जिन एआई वीडियोज़ का सामना किया है, ये उससे कहीं आगे की चीज है या उससे आगे की, जो मैंने अपने करियर के दौरान निजी तौर पर महसूस किया है. ये महिला होने की बड़ी सच्चाई के बारे में है. लोगों की नज़रें, उनका फैसला, सुरक्षा के लिए लगातार जद्दोजहद, और ये एहसास कि आपकी सीमाओं की व्याख्या कोई भी अपने हिसाब से कर सकता है. इस दौरान वो ये भी लिखती हैं कि ये खतरा अब डिजिटल दुनिया तक फैल चुका है, जबकि हमने उस वास्तविक, शारीरिक डर का भी ठीक से समाधान नहीं किया, जो हर दिन महिलाओं की जिंदगी पर असर डाल रहा है.

जितना फुटेज चाहिए था, मिल गया उनको...एकम बावा पर भड़कीं रीति तिवारी, बोलीं- लीगल एक्शन शुरू हो गया है



पॉलिटिशियन और एक्टर-सिंगर मनोज तिवारी की बेटी रीती तिवारी बिग बॉस 20 से आउट हो चुकी हैं. उन्हें माही विज, यंग डीएसए और उदिति सिंह के वोट से मिड-वीक में एविक्ट कर दिया गया. अब रीती शो से बाहर हैं और इंटरव्यूज में बिग बॉस का अपना एक्सपीरियंस शेयर कर रही हैं. बिग बॉस से बाहर आते ही रीति ने काजी तौकीर के लिए स्पेशल पोस्ट किया था. वहीं, अब एक इंटरव्यू में उन्होंने एकम बावा पर अपनी राय दी है.

एकम बावा पंजाबी सिंगर हैं. उन्होंने दावा किया है कि वो रीती के सौतेले पिता हैं. इसके बाद एक वीडियो जारी कर उन्होंने रीती को काजी के साथ किए गए बिहेवियर के लिए शर्मिंदा होने की बात भी कही थी. अब रीति ने इसी का जवाब दिया है. रीति का कहना है कि, उन्हें जो दो-तीन दिन की फुटेज चाहिए थी वो मिल गई है. अब लीगल एक्शन शुरु हो हो गया है.

एकम बावा पर भड़कीं रीति तिवारी

टाइम्स नाउ को दिए इंटरव्यू में रीति ने कहा कि, सबसे पहले, बहुत आसानी से और सुविधाजनक तरीके से ये सब तब कहा गया, जब मैं अपने लिए बोल भी नहीं सकती थी और इस पर जवाब भी नहीं दे सकती थी. मैं उस वक्त घर के अंदर थी. इस शख्स के लिए यह बहुत सुविधाजनक समय था.

लीगल एक्शन शुरु हो गया है

रीति ने आगे कहा कि वह अब इस मुद्दे को और तूल नहीं देना चाहतीं, क्योंकि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जा चुकी है. उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस इंसान को जितने दो-तीन दिन की फेम और फुटेज चाहिए थी, वो उसे मिल चुकी है. मैं अब इस मुद्दे को और एंटरटेन नहीं करना चाहती. उचित कानूनी कार्रवाई की जा चुकी है.

रीति और उनकी मां पर एकम बावा ने लगाया था आरोप

रीति के व्यवहार पर सवाल उठाने के अलावा, एकम बावा ने सिंगर और उनकी मां रानी तिवारी पर उन्हें प्रताड़ित करने का आरोप भी लगाया. पंजाबी सिंगर का दावा है कि वह 2020 से 2025 के बीच मां-बेटी के साथ एक ही फ्लैट में रहे थे. उन्होंने बताया कि 2020 से 2022 तक वह रानी तिवारी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थे. एकम के मुताबिक, उन्होंने फरवरी 2022 में रीति की मां से शादी की थी.

पहले बोला 'बहन' अब Scout को लव गिल से हुआ प्यार? इशारों-इशारों में कह दी दिल की बात



बिग बॉस 20 दिन पर दिन और इंट्रेस्टिंग होता जा रहा है. घर में 2 ग्रूप बन गए हैं. पहला ग्रूप यंग डीएसए, आसिफ खान, आम्रपाली दूबे, स्काउट ओपी और लव गिल का है. इस ग्रूप में लव स्काउट के साथ काफी मस्ती-मजाक करती नजर आती हैं. शुरुआत में तो स्काउट ने लव को अपनी बहन का दर्जा दिया. लेकिन अब यूट्यूबर ने एक चौंकाने वाला खुलासा कर दिया है. दरअसल, लेटेस्ट एपिसोड में स्काउट ने यंग के सामने लव के लिए अपनी फीलिंग्स का इजहार किया है. जिसके बाद उनकी ये क्लीप सोशल मीडिया पर तेजी सी वायरल हो गई है.

स्काउट ने साइन लेंगवेज में यंग से कहा कि अब उनके दिल में लव के लिए फीलिंग आने लगी है, जिसे सुन यंग भी कहते हैं कि तू दूसरे रस्ते पर जा रहा है. स्काउट के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोग स्काउट की गर्लफ्रेंड काशवी हीरानंदानी को लेकर चिंता दिखाने लगे हैं.

स्काउट ने कही दिल की बात

दरअसल, हालिया एपिसोड में स्काउट ओपी और युंग ष्ठ्र लव के साथ अपने रिश्ते और बॉन्डिंग को लेकर बात कर रहे थे. इसी दौरान बातचीत फीलिंग्स की तरफ मुड़ गई. स्काउट ने कुछ बातें साइन लैंग्वेज में समझाईं और ऐसा लगा कि वह लव के लिए फीलिंग्स डेवलप होने की बात कह रहे हैं. इस पर युंग ने उनसे पूछा, 'तेरा रास्ता बदल रहा है क्या?' स्काउट ने जवाब दिया, 'नहीं पता'. इसके बाद स्काउट ने लव के साथ अपने रिश्ते को एक अलग तरीके से समझाया. उन्होंने कहा, 'Sister से पहले फ्रेंड होता है ना आदमी,' जिससे ऐसा लगा कि वह लव को बहन मानने से पहले अपना दोस्त मानते हैं. इतना ही नहीं, स्काउट ने ये भी कहा है कि,जब लव गुल्लू एक साथ होते हैं तो उन्हें जलन होती है.

स्काउट की बात पर फैंस ने उठाए सवाल

स्काउट के कमेंट के बाद सोशल मीडिया पर दर्शकों ने जमकर रिएक्शन दिए है. एक यूजर ने लिखा, 'किसी भी लड़की को यह देखकर अच्छा नहीं लगेगा कि उसका पार्टनर नेशनल टीवी पर किसी और के लिए फीलिंग्स डेवलप कर रहा है.' वहीं एक दूसरे यूजर ने स्काउट और लव के रिश्ते पर सवाल उठाते हुए लिखा कि वह लव के लिए फीलिंग्स होने की बात कह रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ घर के बाहर काश्वी को लेकर भी चिंतित हैं. यूजर ने सवाल किया कि अगर दोनों के बीच भाई-बहन जैसा रिश्ता है तो फिर ये सब क्या है? अन्य यूजर ने लिखा- क्या? स्काउट को लव गिल के लिए फीलिंग्स आ रही हैं! सोचिए अगर काश्वी इस समय लाइव स्ट्रीम कर रही हों तो उनकी क्या हालत होगी!

अरिजीत सिंह

ने किया इंडिया टूर का ऐलान, इन 9 शहरों में करेंगे परफॉर्म

सिंगर और म्यूजिक कंपोजर अरिजीत सिंह के करोड़ों फैंस का दिल उस समय टूट गया था, जब इसी साल जनवरी में उन्होंने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास का ऐलान कर दिया था. अब उन तमाम चाहने वालों के लिए एक गुड न्यूज है. आप आपके पास अरिजीत को लाइव परफॉर्म करते हुए देखने



का मौका है. उन्होंने इंडिया टूर का ऐलान कर दिया है. वो भारत के 9 शहरों में लाइव परफॉर्म करने वाले हैं.

अरिजीत ने खुद इसकी जानकारी शेयर की है.अरिजीत के इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनके टूर से जुड़ी डिटेल्स शेयर की की गई है. इस टूर का आगाज 9 जनवरी 2027 को अहमदाबाद से होने जा रहा है और 15 मई को हैदराबाद में इसका समापन होगा. सोशल मीडिया पर उनके फैंस अभी से ही इस टूर को लेकर एक्साइटेड हो गए हैं. अरिजीत किन-किन शहरों में परफॉर्म करने वाले हैं और किस शहर में किस दिन इवेंट होगा, उसकी डिटेल्स आप नीचे देख सकते हैं.

अरिजीत सिंह के इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस टूर की घोषणा करते हुए लिखा गया, इंडिया, अरिजीत सिंह टूर पर जा रहे हैं. उन गानों के पीछे की आवाज, जो प्यार की कहानियों, दिल टूटने के पलों, देर रात की ड्राइव और बाकी हर मौके पर हमारे साथ रहे हैं. आपने उनके गाने हजारों बार सुने होंगे. अब उन्हें लाइव सुनें.

कब से शुरू होगी बुकिंग ?

11 अक्टूबर 2026 से प्री-सेल्स शुरू होगी और 13 अक्टूबर से जनरल सेल्स की शुरुआत होगी. यानी आप 11 अक्टूबर से इस टूर के टिकट बुक कर सकते हैं. बहरहाल, अरिजीत भले ही प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन अभी भी वो फिल्मों के लिए गाने रिलीज कर रहे हैं. दरअसल, संन्यास लेने से पहले अरिजीत ने जिन प्रोजेक्ट्स को साइन किया, अब सिर्फ वही गाने रिलीज हो रहे हैं. अरिजीत फिल्मों के लिए नया प्रोजेक्ट साइन नहीं कर रहे हैं. उनका लेटेस्ट रिलीज गाना 'पुराने दिन' है, जो उन्होंने 'पहला प्यार दूसरी बार' फिल्म के लिए गाया है.



'फैंस के सामने खेलने के मौके कम मिलते हैं', ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के घरेलू सीजन के शेड्यूल से निराश पेरी

एजेंसी

ब्रिस्बेन । स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी ने बुधवार को घरेलू सीजन में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के कम मैचों वाले शेड्यूल पर निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि सबसे अहम महीनों में इंटरनेशनल मैच न होना दुखद है। दुनिया की नंबर-1 वनडे और टी20 टीम ऑस्ट्रेलिया अगले दो हफ्तों में कुल छह सीमित ओवरों के मैच खेलेगी। टीम पहले बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी और उसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच खेलेगी। हालांकि, इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को लगभग पांच महीने तक घरेलू मैदान पर कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेलना है। इसका मतलब है कि मार्च तक ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट फैंस को अपनी टीम को घरेलू सीजन के दौरान इंटरनेशनल मुकाबले खेलते हुए देखने का मौका नहीं मिलेगा। एलिस पेरी ने शुक्रवार को बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती वनडे से पहले ब्रिस्बेन में पत्रकारों संग बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि इस समय हर कोई शेड्यूल के नजरिए से चुनौती महसूस कर रहा है कि हम शायद इस गर्मी के सबसे अहम महीनों में नहीं खेल पा रहे हैं, जब लोग सच में क्रिकेट से जुड़े होते हैं।

ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स के लिए भारत के विजन को आईओसी से पहचान मिलने पर सम्मानित महसूस कर रहे हैं: पी. टी. उषा

नई दिल्ली । 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स की मेजबानी की भारत की उम्मीद एक कदम आगे बढ़ी है। इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) ने इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की उस घोषणा का स्वागत किया है, जिसमें भविष्य के होस्ट चुनने की प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाले शहरों और देशों के बारे में बताया गया है। गुजरात के अहमदाबाद पर केंद्रित, भारत की बोली आईओसी के साथ सलाह-मशविरा करके बनाई जा रही है, जिसका विजन 'एक साथ उठना' थीम पर आधारित है। आईओए ने कहा कि यह विजन भारत की खेल संबंधी उम्मीदों को ओलंपिक मूवमेंट के दुनिया भर में अपनी पहुंच बढ़ाने के लक्ष्य के साथ जोड़ना चाहता है। प्रस्तावित गेम्स को सिर्फ एक बड़े खेल इवेंट के तौर पर नहीं, बल्कि भारत में खेलों में बड़े बदलाव के लिए एक कैटलिस्ट के तौर पर देखा जा रहा है। आईओए के मुताबिक, गेम्स को होस्ट करने से खेलों में, खासकर युवाओं के बीच, ज्यादा भागीदारी को बढ़ावा देने का मौका मिलेगा, साथ ही यह ज्यादा सेहतमंद और ज्यादा सक्रिय समुदायों में योगदान देगा। इस उम्मीद में यह भी सोचा गया है कि खेल शिक्षा और पेशेवर मौके पैदा करने में एक बड़ी भूमिका निभाएंगे।

गौतम गंभीर ने अजीत अगरकर को दी बधाई, कहा- इतिहास आपके साथ ज्यादा मेहरबान रहेगा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता के रूप में अजीत अगरकर का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अजीत अगरकर को उनके कार्यकाल के समापन पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इतिहास आपके साथ ज्यादा मेहरबान रहेगा। गौतम गंभीर ने एक्स पर लिखा, 'प्रिय अजीत भाई, आपके साथ काम करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। वे 3 आईसीसी ट्रॉफी आपके पक्के इरादे की गवाही हैं। टीम पहले और टीम आगे, हमेशा। मुझे कहना होगा, इतिहास आपके साथ ज्यादा मेहरबान रहेगा। हर चीज के लिए धन्यवाद। आपके आगे के कामों के लिए मेरी दिल से शुभकामनाएं।' अजीत अगरकर ने जुलाई 2023 में भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यभार संभाला था। अगरकर की चुनी टीम ने वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल खेला, टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीता, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता, टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीता और एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड जीता।

भारत के लिए गोल्ड जीतना ही मेरे लिए दिवाली, मेडल जीतने में ट्रेनिंग का रोल अहम: सुजीत कलकल

नई दिल्ली । एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीतने वाले भारतीय पहलवान सुजीत कलकल से जब उनसे पूछा गया कि 24 अक्टूबर से 1 नवंबर तक कजाकिस्तान में होने वाली रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद वह दिवाली कैसे मनाएंगे, तो उन्होंने कहा, 'देश के लिए गोल्ड जीतना ही मेरे लिए दिवाली है।' सुजीत ने साफ किया कि उनके लिए व्यक्तिगत जश्न से ज्यादा अहम देश को सफलता दिलाना है। मौजूदा एशियन चैंपियन सुजीत ने पहले एशियन गेम्स के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल में जापान के ओलंपिक चैंपियन कोटारो कियोका को हराया और फिर 2-9 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए ताजिकिस्तान के अब्दुलमजीद कुदिएव को 10-9 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने आखिरी मैच में पेनल्टी पर किया गोल

दो गोल में दिया सहयोग

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी ने ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोनुमेंटल स्टेडियम में बेनिन के खिलाफ अर्जेंटीना के लिए अपने अंतिम मैच को गोल और दो सहायताओं के साथ यादगार बना दिया। मेसी ने पेनल्टी पर गोल करते हुए अपनी विदाई को शानदार अंदाज में पूरा किया। 39 वर्षीय मेसी ने अर्जेंटीना के फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन के हाथों 0-1 की करीबी हार के कुछ दिन बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी। इसके बाद बेनिन के खिलाफ मुकाबला अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के साथ उनका विदाई मैच बना। मैच में मेसी ने दूसरे हाफ में दो गोल में सहयोग करते हुए अर्जेंटीना को 2-0 की बढ़त दिलाई। उन्होंने 48वें मिनट में अपने लंबे समय से टीम के साथी निकोलस ओटामेंडी को गोल करने में मदद की। ओटामेंडी का भी यह अर्जेंटीना की जर्सी में आखिरी मुकाबला था।

इसके बाद मेसी ने 61वें मिनट में निको पाज के गोल में सहयोग किया। पाज को मिला। अर्जेंटीना को पेनल्टी मिलने पर मेसी ने जिम्मेदारी संभाली और गेंद को गोलपोस्ट के ऊपरी दाएं कोने में भेजकर टीम का तीसरा गोल किया। इस तरह मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने अंतिम मुकाबले में एक गोल और दो गोल में सहयोग के साथ अंतरराष्ट्रीय करियर का यादगार समापन किया।



अर्जेंटीना के लिए दाएं विंग में मेस्सी के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखे जाने वाले खिलाड़ियों में शामिल किया जाता है। इसके दस मिनट बाद मेसी को खुद गोल करने का मौका

अय्यर ने शतक से आलोचकों को दिया जवाब, सैमसन ज्यादा मौकों के हकदार: सुनील गावस्कर

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने लखनऊ के इकाना स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक लगाया। अय्यर ने मात्र 42 गेंदों पर शतक लगाया। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने श्रेयस अय्यर की जमकर तारीफ की है। गावस्कर ने जियोस्टार पर कहा, 'श्रेयस अय्यर की यह शानदार पारी थी। वह अजेय लग रहे थे, और वेस्टइंडीज के गेंदबाज चाहे किसी भी लाइन और लेंथ पर गेंद फेंकें, अय्यर के पास हर चीज का जवाब था। उन्होंने जो शॉट खेले, वे देखने लायक थे, खासकर रोमारियो शेफर्ड की गेंद पर अपर-कट, जिससे पता चला कि वह गंभीर थे। इस भारतीय टी20 टीम के कप्तान बनने के बाद से श्रेयस अय्यर का बल्ले से प्रदर्शन थोड़ा खराब रहा है। हाल के दिनों में, जीत मिली है, लेकिन बल्ले से उनका अपना फॉर्म चिंता का विषय था।' उन्होंने कहा, 'उनके लिए एक बड़ी पारी खेलना जरूरी था, और उन्होंने पहले टी20 में अच्छा किया। अय्यर ने रन चेज पर पूरा नियंत्रण रखा और बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाते रहे। उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किए और फिर पूरी तरह से गियर बदल दिया, सिर्फ 15 गेंदों के अंदर अगले 50 रन बनाकर 102 तक पहुंच गए। सोशल मीडिया पर श्रेयस की बैटिंग फॉर्म को लेकर सवाल उठ रहे थे। इस शतक ने उन सभी को चुप करा दिया है। यह पारी इस बात का पक्का संकेत है कि श्रेयस अय्यर अपने बेस्ट फॉर्म में वापस आ गए हैं। '

श्रेयस अय्यर के तूफानी शतक से भारत की शानदार जीत

वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया इतिहास

एजेंसी

लखनऊ। कप्तान श्रेयस अय्यर के तूफानी शतक की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को पहले टी-20 मुकाबले में आठ विकेट से हरा दिया। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 171 रन बनाए। जवाब में भारत ने महज 14.4 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। यह टीम इंडिया की लगातार 10वीं टी-20 जीत है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम 19.1 ओवर में 171 रन पर सिमट गई। कप्तान शाई होप ने 52 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि शेरेफन रदरफोर्ड ने 56 रन बनाकर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

भारत की ओर से डेब्यू कर रहे नमन धीर ने प्रभावी गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट हासिल किए। कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को दो-दो सफलताएं मिलीं। भारतीय गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में



वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों पर शिकंजा कसते हुए पूरी टीम को 20 ओवर से पहले ही पवेलियन भेज दिया।172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और चौथे ओवर तक टीम ने 35 रन पर दो विकेट गंवा दिए। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने ईशान किशन के साथ मिलकर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। श्रेयस ने महज 42 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 43 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। उनकी पारी में 10 चौके और छह छक्के शामिल रहे। ईशान किशन ने भी उनका शानदार साथ दिया और 27 गेंदों पर नाबाद 37 रन बनाए। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 67 गेंदों में 137 रन की अटूट साझेदारी की। श्रेयस अय्यर का यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहला शतक है। इसके साथ ही वह भारतीय 'ह्20ढ्ढ कप्तानों की उस खास सूची में शामिल हो गए, जिसमें उनसे पहले रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव का नाम है। रोहित शर्मा ने कप्तान रहते हुए टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीन शतक लगाए हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2023 में शतकीय पारी खेली थी।

स्मृति मंधाना बनीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नई कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को नया कप्तान मिल गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को भारतीय महिला टीम का पूर्णकालिक व्हाइट-बॉल कप्तान नियुक्त किया है। वह वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टीम की कमान संभालेंगी। यह फैसला हरमनप्रीत कौर के सभी प्रारूपों की कप्तानी से हटने के बाद लिया गया है। स्मृति लंबे समय से भारतीय महिला क्रिकेट की प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल रही हैं और टीम की प्रगति में उनकी अहम भूमिका रही है। 2013 से भारतीय टीम का हिस्सा रहीं स्मृति के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का लंबा अनुभव है। उन्होंने घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया है। हाल में उनकी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2024 और 2026 में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का खिताब जीता।

स्मृति इससे पहले भी भारतीय टीम की कप्तानी कर चुकी हैं। उन्होंने 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय और चार वनडे मैचों में भारत का नेतृत्व किया है। अब उन्हें पूर्णकालिक व्हाइट-बॉल कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कप्तानी मिलने पर स्मृति ने कहा कि भारत का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी उनके लिए बेहद खास सम्मान है। उन्होंने बीसीसीआई, चयनकर्ताओं, साथी खिलाड़ियों और अपने समर्थकों का आभार जताते हुए कहा कि वह इस जिम्मेदारी को पूरी गंभीरता से निभाएंगी और टीम को आगे ले जाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देंगी। उन्होंने पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर के योगदान की भी सराहना की। स्मृति ने कहा कि हरमनप्रीत ने लंबे समय तक पूरी प्रतिबद्धता के साथ टीम का नेतृत्व किया और भारतीय महिला क्रिकेट की यात्रा में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है। बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने स्मृति को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए कहा कि वह कई वर्षों से भारतीय क्रिकेट का महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं और लगातार नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करती रही हैं। उनके अनुभव और खेल की समझ को टीम के लिए उपयोगी बताते हुए मन्हास ने कहा कि बोर्ड को स्मृति पर पूरा भरोसा है। बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने स्मृति को बधाई देते हुए कहा कि वह भारतीय टीम की सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल हैं और महिला क्रिकेट के कई महत्वपूर्ण पड़ावों की साक्षी रही हैं। उनके मुताबिक, भारत की कप्तानी बड़ी जिम्मेदारी है।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान

श्रेयस अय्यर संभालेंगे टी20 टीम की कमान

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के आगामी दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया और इंडिया-ए की टीमों का ऐलान कर दिया है। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज खेलेगी, जबकि इंडिया-ए को न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ तीन मल्टी-डे मुकाबले खेलने हैं। वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा बाद में की जाएगी।

श्रेयस अय्यर को मिली कप्तानी, तिलक होंगे उपकप्तान

टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम की कमान श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान होंगे। टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन देखने को मिला है। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन जैसे खिलाड़ी टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर के तौर पर अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी और नमन धीर को जगह मिली है। वहीं प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देंगे।



नयूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के लिए भुवनेश्वर कुमार की 4 साल बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। भुवनेश्वर कुमार ने टीम इंडिया के लिए आखिरी मैच नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ही खेला था।

भारत की टी20 टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव।

इंडिया-ए टीम में भी कई बड़े नाम शामिल हैं। यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। ऋषभ पंत की टीम में वापसी हालांकि उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। टीम में वॉशिंगटन सुंदर, आकिब नबी, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, मानव सुथार, मुकेश चौधरी और मुकेश कुमार भी शामिल हैं। रवीचंद्रन स्मरण और यश राठौड़ को भी टीम में जगह मिली है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में होगी।

जोकोविच ने जीता चाइना ओपन का रिकॉर्ड सातवां खिताब, लगातार 21वें सत्र में जीता टूर-स्तरीय खिताब

एजेंसी

बीजिंग। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने चाइना ओपन का रिकॉर्ड सातवां खिताब अपने नाम किया। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर के दूसरे सेट में चोट के कारण मुकाबले से हटने के बाद जोकोविच को विजेता घोषित किया गया। इसके साथ ही उन्होंने अपने करियर का 102वां टूर-स्तरीय खिताब भी हासिल कर लिया।

जोकोविच ने पहला सेट 7-6(3) से जीता। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने मेडिकल टाइमआउट लिया। डी मिनौर ग्रोइन की समस्या के उपचार के लिए कोर्ट से बाहर गए। वह दूसरे सेट में लौटे और पहला गेम भी जीता, लेकिन दर्द के कारण आगे खेलने में असमर्थ रहे और मुकाबले से हट गए। इस जीत के साथ जोकोविच ओपन एरा में सर्वाधिक टूर-स्तरीय खिताब जीतने के मामले में रोजर फेडरर



के 103 खिताब के बेहद करीब पहुंच गए हैं। उनसे आगे केवल जिमी कॉनर्स हैं, जिनके नाम 109 खिताब दर्ज हैं।

बीजिंग में 34वीं जीत

39 वर्षीय जोकोविच का चाइना ओपन में शानदार रिकॉर्ड बरकरार है। उन्होंने बीजिंग में अपना लगातार 34वां मुकाबला जीता और टूर्नामेंट में अब तक एक भी मैच नहीं गंवाया है। उन्होंने आखिरी बार 2015 में चीन ओपन में हिस्सा लिया था और उस वर्ष फाइनल में राफेल नडाल को हराकर छठी बार खिताब जीता था।इस बार फाइनल तक पहुंचने का उनका सफर भी आसान नहीं रहा। जोकोविच ने शुरुआत में बुइयुनचाओकेते को हराया और क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर ज्वेरेव को कड़े मुकाबले में मात दी।

सेमीफाइनल में मेडवेदेव हुए थे डिफॉल्ट

सेमीफाइनल में जोकोविच को डेनियल मेदवेदेव के खिलाफ अप्रत्याशित तरीके से जीत मिली। उस समय जोकोविच 7-5, 5-3, 15/15 से आगे थे, तभी मेदवेदेव ने पीछे की दीवार से टकराकर उछली गेंद को दर्शक दीर्घा की ओर मार दिया। गेंद एक दर्शक को लगने के बाद मेदवेदेव को डिफॉल्ट कर दिया गया और जोकोविच फाइनल में पहुंच गए।

इससे पहले दोनों के बीच मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा था। जोकोविच ने शुरुआती सेट में ब्रेक से पिछड़ने के बाद वापसी की और अपने सामने आए 18 ब्रेक प्वाइंट में से 16 बचाए।

लगातार 21 सत्र में खिताब

चाइना ओपन का यह खिताब जोकोविच के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि वह ओपन एरा में लगातार 21 सत्रों में टूर-स्तरीय खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

मेसी ने अर्जेंटीना को कहा अलविदा

बोले- मुझे इसकी कमी खलेगी

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी ने ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ 3-0 की जीत के साथ अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का समापन किया। दो गोल में सहयोग और एक पेनल्टी पर गोल करने के बाद मेसी ने खचाखच भरे एस्टाडियो मोनुमेंटल में भावुक भाषण दिया और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहा।

मेसी ने कहा कि वह अर्जेंटीना के लिए खेलना याद करेंगे। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत अपने दिवंगत पिता जॉर्ज को याद करते हुए की, जिनका लंबी बीमारी के बाद अगस्त में निधन हो गया था।मेसी ने कहा, 'आज रात मैं जिस पहले व्यक्ति के बारे में सोचता हूं, वह मेरे पिता हैं। मैं आप सभी का सिर्फ धन्यवाद कर सकता हूं। 20 से



अधिक वर्षों तक इस जर्सी की रक्षा करना मेरे लिए बहुत बड़े गर्व की बात रही है। हमने कभी लड़ना बंद नहीं किया, कभी अपना सब कुछ देना बंद नहीं किया। ' उन्होंने कहा, 'मेरी इच्छा है कि मैं पूरी जिंदगी खेल सकूं, क्योंकि अर्जेंटीना के लिए खेलना सबसे खूबसूरत चीज है। ' मेसी ने कहा, 'बेशक, मैं शायद बहुत सी ऐसी बातें भूल रहा हूं जो मैं कहना चाहता हूं। यह मेरे लिए एक मुश्किल पल है। मुझे इसकी कमी खलेगी। ' 39 वर्षीय मेसी ने यह भी कहा कि वह अर्जेंटीना के लिए उनके बाद खेलने वाले खिलाड़ियों का समर्थन करते रहेंगे। उन्होंने कहा, 'जब हम एकजुट होते हैं, तो हम किसी भी अन्य टीम से ज्यादा मजबूत होते हैं। और हम किसी भी चीज से पार पा सकते हैं।

' मेसी ने अपने भावुक भाषण का समापन करते हुए कहा, 'मैं आपसे प्यार करता हूं, मैं आपसे प्यार करता हूं। मुझे आपकी कमी खलेगी। और मैं अर्जेंटीना का होने पर बेहद आभारी और गौरवान्वित हूं। आप सभी के साथ अपना सपना पूरा करने पर मुझे गर्व है। '

बीसीसीआई ने की हरमनप्रीत कौर की सराहना, मिथुन मन्हास बोले- भारतीय क्रिकेट में योगदान हमेशा याद रहेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सभी प्रारूपों की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। इसके साथ ही एक दशक से अधिक समय तक चली उनकी नेतृत्व यात्रा का समापन हो गया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि 2025 महिला क्रिकेट विश्व कप की ऐतिहासिक जीत उनके कप्तानी कार्यकाल का सबसे बड़ा पड़ाव रही। हालांकि, 36 वर्षीय हरमनप्रीत खिलाड़ी के रूप में भारतीय टीम में योगदा देती रहेंगी। कैलेंडरदेखें बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने हरमनप्रीत के नेतृत्व को भारतीय क्रिकेट के इतिहास में विशेष स्थान वाला बताया। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत ने ऐसे समय टीम की कमान संभाली, जब महिला क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ रहा था। उनके नेतृत्व में भारत ने कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में दुनिया की मजबूत टीमों को चुनौती दी और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा। मन्हास ने 2025 विश्व कप की जीत को हरमनप्रीत की कप्तानी का निर्णायक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह सफलता वर्षों की मेहनत, प्रगति और विश्वास का परिणाम थी। एशियाई खेलों में जीते दो स्वर्ण पदक और उनके कार्यकाल में मिली कई अहम जीत भी भारतीय महिला क्रिकेट में उनके योगदान को रेखांकित करती हैं। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत का अनुभव, खेल की समझ और ड्रेसिंग रूम में उनकी मौजूदगी टीम के लिए आगे भी महत्वपूर्ण रहेगी। बीसीसीआई अध्यक्ष ने कप्तानी के दौरान जिम्मेदारी निभाने के लिए उनका आभार जताया और खिलाड़ी के रूप में उनके आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भी हरमनप्रीत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने टीम के उतार-चढ़ाव के दौर में भी विश्वास बनाए रखा।

उनके मुताबिक, लंबे इंतजार के बाद 2025 में भारत को पहली महिला क्रिकेट विश्व कप ट्रॉफी दिलाना हरमनप्रीत के नेतृत्व की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल रहेगा। सैकिया ने कहा कि कप्तानी छोड़ने का फैसला ऐसे समय में आया है, जब हरमनप्रीत को लगता है कि टीम नए नेतृत्व के साथ अगले अध्याय के लिए तैयार है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि हरमनप्रीत का अनुभव और युवा खिलाड़ियों के लिए उनकी मिसाल भारतीय टीम के लिए आगे भी उपयोगी साबित होगी।

नुक्कड़ नाटक के जरिए ट्रैफिक पुलिस ने 300 छात्रों को दिया सड़क सुरक्षा का पाठ

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की उत्तरी रेंज ने सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बख्तावरपुर स्थित मदर खजानी स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। नरेला ट्रैफिक सर्कल के तहत आयोजित कार्यक्रम में करीब 300 छात्रों ने हिस्सा लिया। सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ के सहयोग से हुए इस कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्रों को सड़क पर जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम डीसीपी ट्रैफिक उत्तरी रेंज डॉ. सचिन कुमार सिंघल के निर्देशन और निगरानी में आयोजित किया गया। नुक्कड़ नाटक के जरिए छात्रों को यातायात नियमों की अनदेखी से होने वाले सड़क हादसों और उनके गंभीर परिणामों के बारे में रोचक एवं सरल तरीके से समझाया गया। कलाकारों ने अभिनय के माध्यम से यह संदेश दिया कि सड़क पर छोटी-सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। ट्रैफिक पुलिस ने छात्रों को दोपहिया वाहन पर सफर करते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने और कार में सीट बेल्ट लगाने की सलाह दी। पुलिसकर्मियों ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल दुर्घटना का बड़ा कारण बन सकता है, इसलिए ड्राइविंग के दौरान मोबाइल से पूरी तरह दूरी बनाए रखना जरूरी है।

सम्राट हेमू की जयंती एवं विजयोत्सव पर सात अक्टूबर को भव्य समारोह

नई दिल्ली। रौनियार शिरोमणि सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य 'हेमू' की जयंती एवं विजय दिवस के उपलक्ष्य में रौनियार वैश्य सभा, दिल्ली (रजि.) की ओर से आगामी सात अक्टूबर को भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह नई दिल्ली स्थित हिमाचल भवन में दोपहर 3:30 बजे से आयोजित होगा। रौनियार वैश्य सभा के राष्ट्रीय संयोजक एवं मीडिया प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य 'हेमू' की जयंती और विजयोत्सव के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में उनके शौर्य, वीरता और राष्ट्र के प्रति योगदान को स्मरण किया जाएगा। समारोह में समाज के लोगों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों और अन्य गणमान्य लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य सम्राट हेमू के ऐतिहासिक जीवन और उनके संघर्षों को स्मरण करने के साथ समाज में उनके योगदान और वीरता की जानकारी को व्यापक स्तर तक पहुंचाना है। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को देश के इतिहास और वीर योद्धाओं के योगदान से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उपराज्यपाल ने छात्राओं की सुरक्षा को लेकर दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने छात्राओं की सुरक्षा को लेकर निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पढ़ने वाली हर बेटी की सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास सरकार की पहली जिम्मेदारी है। सुरक्षित कैंपस ही विकसित दिल्ली की पहचान होगी। उपराज्यपाल ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, दिल्ली पुलिस, दिल्ली लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ छात्राओं की सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने कैंपस के आसपास पुलिस गश्त बढ़ाने, अंधेरे वाले पॉइंट तुरंत खत्म करने, सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ छात्राओं के लिए लास्ट-माइल ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी सुधारने के निर्दश दिए हैं। उन्होंने कह कि सभी छात्रावासों और पीजी का सुरक्षा ऑडिट किया जाए।

हर्ष मल्होत्रा ने प्रदर्शन को लेकर विपक्ष पर साधा निशाना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने मुख्य चुनाव आयुक्त के निलंबन की मांग से जुड़ी याचिका पर उच्चतम न्यायालय में हुई प्रारंभिक सुनवाई के बाद विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए जाने और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ तत्काल अंतरिम निलंबन आदेश देने से इनकार के बावजूद विपक्ष का आंदोलन जारी रखना यह दर्शाता है कि उसे न तो चुनाव आयोग पर भरोसा है और न ही न्यायपालिका पर।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने एक पत्रकार विज्ञप्ति जारी कर कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का अस्थाई आदेश न देना दर्शाता है कि यह एकतरफा मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि अदालत ने मामले की सुनवाई शुरू करते हुए सभी संबंधित पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया है, ऐसे में विपक्ष को न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चाहे जुलाई में हुआ सीजेपी आंदोलन हो या मौजूदा चुनाव आयोग विरोधी आंदोलन, यदि आंदोलन के नेतृत्वकर्ताओं को संविधान और न्यायपालिका पर विश्वास है तो उच्चतम न्यायालय में सुनवाई शुरू होते ही आंदोलन को स्थगित कर देना चाहिए था। उन्होंने विपक्षी दलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि आंदोलन के खल-नायक संविधान या न्यायपालिका पर विश्वास नहीं रखते हैं। अगर रखते, तो उच्चतम न्यायालय में सुनवाई शुरू होते ही आंदोलन को स्थगित करना चाहिए था।

वरिष्ठ नागरिक समाज की नींव, उनका सम्मान सामूहिक जिम्मेदारी: विजेंद्र गुप्ता

'समाज को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे बुजुर्ग निरंतर समाज से जुड़े रहें तथा स्वयं को सम्मानित और महत्वपूर्ण महसूस करें।'

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की नींव हैं और उनके स्वास्थ्य, सम्मान एवं प्रसन्नता को सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वास्थ्य सेवाओं को सम्मान एवं सामाजिक सहभागिता से जोड़ने वाली पहल हमारे बुजुर्गों की देखभाल के प्रति समाज की संवेदनशीलता का सार्थक संदेश देती है। यह बात विजेंद्र गुप्ता ने प्रशांत विहार स्थित अग्रवाल धर्मशाला में सम्पूर्ण संस्था द्वारा आयोजित कैंसर स्क्रीनिंग शिविर एवं वरिष्ठ नागरिक सांस्कृतिक उत्सव का उद्घाटन करते हुए कही।

इस अवसर पर सम्पूर्ण संस्था की संस्थापक शोभा विजेंद्र भी उपस्थित रहीं। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के जीवन की रक्षा में निवारक स्वास्थ्य देखभाल एवं समय पर स्वास्थ्य जांच की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने तथा वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के साथ-साथ उनके कल्याण को समर्पित सामुदायिक कार्यक्रम में सहभागिता का अवसर प्रदान करने के लिए सम्पूर्ण संस्था की सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को केवल स्वास्थ्य सुविधाओं की ही नहीं, बल्कि सम्मान, साथ और सामाजिक जीवन में सार्थक सहभागिता की भी आवश्यकता है।



उन्होंने कहा कि उनका अनुभव, ज्ञान और परिवार तथा समाज के प्रति योगदान युवा पीढ़ी के लिए एक अमूल्य विरासत है। समाज को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे बुजुर्ग निरंतर समाज से जुड़े रहें तथा स्वयं को सम्मानित और महत्वपूर्ण महसूस करें। वरिष्ठ नागरिक सांस्कृतिक उत्सव में उनकी सक्रिय सहभागिता एवं आपसी संवाद को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों एवं सम्मान से संबंधित विशेष सत्र भी आयोजित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने वरिष्ठ नागरिकों को अपनी बात रखने तथा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए मंच उपलब्ध कराने हेतु आयोजकों की सराहना की। कार्यक्रम में दादा-दादी एवं पोते-पोतियों की विशेष नृत्य प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसने विभिन्न पीढ़ियों के बीच प्रेम, आत्मीयता एवं भावनात्मक जुड़ाव को रेखांकित किया। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि ऐसी गतिविधियां पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने में सहायक होती हैं और बच्चों में अपने दादा-दादी के प्रति प्रेम, सम्मान एवं अपनत्व की भावना विकसित करती हैं। विजेंद्र गुप्ता ने 'स्वस्थ वरिष्ठ, समृद्ध समाज' की संकल्पना के तहत कार्यक्रम आयोजित करने तथा स्वास्थ्य सेवा, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति एवं सामाजिक सहभागिता को एक साझा मंच पर लाने के लिए सम्पूर्ण संस्था की सराहना की। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सम्मान एवं सक्रिय सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाली पहलों में नागरिक समाज संगठनों की अधिक से अधिक भागीदारी का आह्वान किया।

किराड़ी विधानसभा में साढ़े चार किलोमीटर नई ड्रेन के निर्माण को मिली स्वीकृति

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक में किराड़ी विधानसभा क्षेत्र स्थित रेलवे लाइन के साथ करीब साढ़े चार किलोमीटर लंबी नई ड्रेन के निर्माण को स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना पर 263.45 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने परियोजना को दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ड्रेन के निर्माण से किराड़ी सहित आसपास के चार विधानसभा क्षेत्रों की बड़ी आबादी को जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। इसके अलावा 70 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियों को भी जल निकासी की बेहतर सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के गंभीर व लगातार प्रयासों के चलते रेलवे ने भी इस परियोजना को स्वीकृति दी



है। किराड़ी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और तेजी से हुए अनियोजित शहरीकरण के कारण यहां बारिश के दौरान जलभराव की समस्या गंभीर रहती है। अब इस समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने इस क्षेत्र में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए अपेक्षित गंभीरता से काम नहीं किया, लेकिन हमारी सरकार ने इसे प्राथमिकता देते हुए परियोजना पर काम शुरू कर दिया है। यह केवल ड्रेन का निर्माण नहीं, बल्कि चार विधानसभा क्षेत्रों में रहने वाले लाखों लोगों को बेहतर जल निकासी और सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित व्यय वित्त समिति की बैठक में सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस परियोजना से किराड़ी, मुंडका, बवाना और नांगलोई जाट विधानसभा क्षेत्रों को सीधे लाभ मिलेगा। किराड़ी विधानसभा क्षेत्र की करीब 70 अनधिकृत कॉलोनियों को प्रस्तावित ड्रेन से जल निकासी की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुंडका विधानसभा क्षेत्र में रानीखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र, वेणु एन्क्लेव सहितविभिन्न अनधिकृत कॉलोनियों, जैसे रतन पार्क, राजधानी पार्क, जेजे क्लस्टर कॉलोनी, राजेंद्र पार्क एक्सटेंशन, राम नगर, कुंवर सिंह नगर और निलोठी गांव आदि क्षेत्र लाभान्वित होंगे। बवाना विधानसभा क्षेत्र में रोहिणी सेक्टर-20, 21 और 22, जबकि नांगलोई जाट विधानसभा क्षेत्र में जेजे क्लस्टर नांगलोई, अध्यापक नगर और शिवराम पार्क आदि क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन क्षेत्रों के निवासी वर्षों से बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या झेलते आ रहे हैं।

वायु एवं धूल प्रदूषण रोकने के लिए एमसीडी ने तेज किए उपाय

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में आगामी सर्दियों के दौरान वायु एवं धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने व्यापक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। निगम का मुख्य फोकस सड़कों की बेहतर स्थिति, धूल नियंत्रण, मशीनीकृत सफाई, निर्माण एवं विध्वंस गतिविधियों की निगरानी और हरित क्षेत्र बढ़ाने पर है। यह जानकारी एमसीडी स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने दी।

उन्होंने बताया कि एमसीडी के अधिकार क्षेत्र में करीब 6,127 किलोमीटर सड़कों पर लगभग 57,000 सफाई मित्रों द्वारा नियमित मैनुअल स्वीपिंग की जा रही है। वर्ष 2026 में 1,202 किलोमीटर सड़कों की एंड-टू-एंड री-सर्फेसिंग और स्ट्रेंथनिंग का कार्य लिया गया है। इसके अलावा अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच 6,797 गड्ढों की मरम्मत की गई है। 18 मई 2026 से एमसीडी क्षेत्रों में डीप क्लीन ड्राइव के तहत सड़कों पर लंबे समय से जमा धूल और सिल्ट हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। अब तक करीब 2,900 मीट्रिक टन सिल्ट हटाई जा चुकी है और लगभग 1,200 किलोमीटर सड़क की सफाई की गई है। एमसीडी की 66 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों के माध्यम से प्रमुख सड़कों की मशीनीकृत सफाई की जा रही है। इन मशीनों से प्रतिदिन करीब 180 टन धूल एकत्र की जा रही है। इसके अतिरिक्त 70 नई मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों की चरणबद्ध तैनाती प्रस्तावित है, जबकि 40 अतिरिक्त



मशीनों को किराये पर लेने के लिए टेंडर जारी किया गया है। इसके साथ ही 1,000 लिटर पिकर मशीनों की भी चरणबद्ध तैनाती की जाएगी। सत्या शर्मा ने बताया कि धूल नियंत्रण के लिए एमसीडी ने विभिन्न सड़कों पर 167 वाटर स्प्रिंकलर और 28 मोबाइल एंटी-स्मॉग गन तैनात की हैं। इनका इस्तेमाल ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के विभिन्न चरणों के अनुसार किया जाता है।

भोरगढ़ में दो फैक्ट्रियों में लगी आग

एजेंसी

नई दिल्ली। भोरगढ़ औद्योगिक क्षेत्र में तड़के प्लास्टिक दाना बनाने वाली दो फैक्ट्रियों में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि दोनों फैक्ट्रियों की छत के अलावा पास की दो अन्य फैक्ट्रियों की छत भी इसकी चपेट में आ गई। आग की सूचना सुबह 4:32 बजे मिली। दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग की भयावहता को देखते हुए मेक-6 घोषित किया गया। इसके बाद कुल 16 दमकल यूनिट मौके पर पहुंचीं। सुबह 6:15 बजे आग पर काबू पाने की सूचना दी गई, जबकि कूलिंग का काम जारी था। दमकल विभाग के अनुसार, आग भोरगढ़ इंडस्ट्रियल एरिया स्थित बी-2411 में लगी। शुरुआती तौर पर तीन दमकल गाड़ियों के साथ दो अन्य दमकल यूनिट और एक क्यूआरवी को भेजा गया था। सुबह करीब पांच बजे मेक-6 घोषित होने के बाद दमकल की कुल सात वाटर टेंडर, पांच वॉटर बाउजर, एक बीएफटी, एक मोबाइल पंप, एक एरियल वॉटर टेंडर और एक क्यूआरवी मौके पर पहुंची। मौके पर एसटीओ विजय दहिया, एसटीओ विशाल, एसटीओ प्रवेश, एडीओ पारस, एडीओ राजीव सिन्हा और डीओ एके जायसवाल समेत दमकल अधिकारी मौजूद रहे। आग दो प्लास्टिक दाना (ग्रेन्यूल्स) बनाने वाली फैक्ट्रियों में लगी थी। इसके साथ ही आग ने दोनों से सटी दो फैक्ट्रियों की छतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने के कारणों और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इससे कुछ घंटे पहले मंगलवार रात भोरगढ़ के सन्नौठ गांव में पंचायत घर के पास एक मकान में आग लग गई। रात 7:50 बजे सूचना मिलने पर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और रात 8:35 बजे आग बुझा दी गई। आग रसोई में रखे एलपीजी सिलिंडर में लगी थी। मौके पर 28 वर्षीय मंजू पत्नी नीरज का शव मिला, जिसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। वहीं, मंगलवार देर रात उत्तरी दिल्ली के नॉर्थ कैंपस स्थित लॉ सेंटर-1 के डूसू कार्यालय में भी आग लग गई। रात 11:53 बजे सूचना मिलने पर दमकल की तीन गाड़ियां, एक वॉटर बाउजर और एक क्यूआरवी मौके पर भेजी गई। रात 12:10 बजे आग पर काबू पा लिया गया। आग कार्यालय में रखे सोफे और फर्नीचर में लगी थी।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बदमाश बताकर डॉक्टर से 25 लाख की रंगदारी मांगने का आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली । लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बदमाश बताकर वरिष्ठ डॉक्टर से 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपित हिमांशु जैन (35) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से रंगदारी की कॉल करने में इस्तेमाल मोबाइल फोन और सिम कार्ड के अलावा वारदात में इस्तेमाल कार भी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता एक्शन बालाजी अस्पताल में वरिष्ठ डॉक्टर हैं। दो अक्टूबर को उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके निजी मोबाइल नंबर पर धमकी भरी कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बदमाश बताया और 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। धमकी देने वाले ने डॉक्टर को डराने के लिए उनकी निजी जानकारियों का भी जिक्र किया। शिकायत मिलने के बाद पश्चिम विहार ईस्ट थाने में एफआईआर नंबर 307/26 के तहत बीएनएस की धारा 308(4) में केस दर्ज किया गया। मामले की जांच के लिए थाना पुलिस और स्पेशल स्टाफ की संयुक्त टीम बनाई गई। पुलिस ने तकनीकी निगरानी और मानवीय सूचना के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। जिस मोबाइल नंबर से डॉक्टर को कॉल की गई थी, उसकी लोकेशन और अन्य तकनीकी जानकारियों का विश्लेषण किया गया। पुलिस ने डॉक्टर को आरोपित के संपर्क में रहने और फोन पर हुई बातचीत रिकॉर्ड करने के लिए कहा। दो अक्टूबर को आरोपित ने डॉक्टर को दोबारा फोन किया और रंगदारी की रकम लेकर रोहिणी स्थित जयपुर गोल्डन अस्पताल के पास पहुंचने के लिए कहा। पुलिस ने इसी सूचना के आधार पर वहां जाल बिछाया। आरोपित जब रुपये लेने के लिए तय स्थान पर पहुंचा तो पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया।



बीके दत्त कॉलोनी में विशेष स्वच्छता अभियान, पार्क को 'पीपल पार्क' के रूप में विकसित करने की पहल

'इस दौरान पार्क के कायाकल्प और बेहतर रखरखाव के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय से कार्य करने का संकल्प लिया गया।'

एजेंसी

नई दिल्ली। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल के नेतृत्व में बी.के. दत्त कॉलोनी, लोधी रोड स्थित नजफ खान मकबरे से सटे पार्क में विशेष स्वच्छता एवं सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान पार्क के कायाकल्प और बेहतर रखरखाव के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय से कार्य करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर चहल ने कहा कि अभियान का उद्देश्य क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के साथ पार्क को स्थानीय नागरिकों के लिए स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित और उपयोगी सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करना है। अभियान में एनडीएमसी के स्वास्थ्य, सिविल और उद्यान विभाग के विभागाध्यक्षों एवं



अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

चहल ने कहा कि नजफ खान मकबरे से सटा यह पार्क भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधीन क्षेत्र के निकट स्थित है और लंबे समय से इसके समुचित रखरखाव की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। पार्क एनडीएमसी क्षेत्र में होने के कारण 'स्वच्छता ही सेवा' के तहत इसकी साफ-सफाई, रखरखाव और सुधार की दिशा में पहल की गई है। उन्होंने बताया कि पार्क के विकास के लिए सिविल विभाग ग्रिल, चारदीवारी और मुख्य प्रवेश द्वार की मरम्मत एवं रखरखाव करेगा। उद्यान विभाग घास की देखभाल, झाड़ियों एवं पेड़-पौधों की छंटाई तथा नए पौधों के रोपण का कार्य करेगा। वहीं स्वास्थ्य विभाग कचरा हटाने और नियमित सफाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। इस दौरान चहल ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पार्क परिसर में पीपल का पौधा भी रोपित किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करने का संकल्प है। उन्होंने बताया कि पार्क में भविष्य में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा और इसे 'पीपल पार्क' के रूप में विशिष्ट पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। चहल ने कहा कि स्वच्छता और वृक्षारोपण एक-दूसरे के पूरक हैं। एनडीएमसी का लक्ष्य केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक सार्वजनिक स्थल को स्वच्छ, सुरक्षित, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है।

उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने कई स्वास्थ्य सेवाओं का किया शुभारंभ

आशा कार्यकर्ता का मानदेय हुआ छह हजार रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आशा सम्मेलन में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कई पहलों की शुरुआत के साथ आशा कार्यकर्ता का मासिक मानदेय 3,000 से बढ़ाकर 6,000 किया गया है।

उन्होंने अनमोल योजना का विस्तार, जीबी पंत अस्पताल में सोट्टो सेंटर और नर्सिंग होम मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम त्यागराज स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह भी मौजूद रहे।इस अवसर पर उपराज्यपाल ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित और सशक्त दिल्ली की आधारशिला हैं। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत शुरू की गई स्वास्थ्य योजनाओं का उद्देश्य आधुनिक तकनीक, प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों और मानवीय दृष्टिकोण के समन्वय से दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत करना



है। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य व्यवस्था की अग्रिम पंक्ति में रहकर गर्भवती महिलाओं, बच्चों और परिवारों तक स्वास्थ्य सेवाएं एवं जागरूकता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके मासिक मानदेय को 3,000 रुपये से बढ़ाकर 6,000 रुपये किया जाना उनके योगदान और समर्पण के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने नवजात शिशुओं में शुरुआती स्तर पर स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान और समय पर उपचार के लिए अनमोल पहल और जीबी पंत अस्पताल में सोट्टो के नवनिर्मित केंद्र की सराहना की, जो अंगदान और प्रत्यारोपण व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि नर्सिंग होम मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण और नवीनीकरण जैसी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन एवं पारदर्शी बनाया गया है, जिससे प्रक्रियाएं सरल होंगी, अनावश्यक प्रशासनिक बाधाएं कम होंगी और निगरानी बेहतर होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंगदान केवल चिकित्सा प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानवता, संवेदना और जीवन के प्रति सम्मान का प्रतीक है। किसी व्यक्ति के निधन के बाद उसके अंग जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकते हैं। उन्होंने दिल्लीवासियों से अंगदान और देहदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान करते हुए बताया कि उन्होंने स्वयं सोटो पोर्टल के माध्यम से देहदान का पंजीकरण कराया है। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं से परिवारों और वरिष्ठ नागरिकों तक अंगदान का संदेश पहुंचाने तथा इच्छुक लोगों को इसकी प्रक्रिया की जानकारी देने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति का संकल्प किसी दूसरे के जीवन में नई उम्मीद और नई शुरुआत बन सकता है।

छह घंटे में लूट की गुत्थी सुलझी, तीन आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। डीबीजी रोड थाना पुलिस ने लूट के एक मामले को छह घंटे के भीतर सुलझाते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान करोलबाग निवासी तुलसी (31), दीपक उर्फ चंपक (19) और उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी छोटू उर्फ डोरेमोन (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया है, जबकि चार हजार रुपये की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार, तीन अक्टूबर की रात करीब 10:15 बजे पीड़ित घर लौट रहा था। वह कलकादास चौक के पास पहुंचा, तभी तीन युवकों ने उसे घेर लिया। एक आरोपित ने उसके हाथ पकड़ लिए, जबकि दूसरे ने उसकी पैंट की जेब से मोबाइल फोन निकाल लिया। तीसरे आरोपित ने उसकी शर्ट की जेब से चार हजार रुपये निकाल लिए। वारदात के बाद तीनों आरोपित मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर डीबीजी रोड थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को एक आरोपित के नाम तुलसी के बारे में जानकारी मिली। पुलिस टीम उसके झुग्गी स्थित ठिकाने पर पहुंची, लेकिन वह वहां नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने इलाके में उसके संभावित ठिकानों और आवाजाही वाली जगहों पर निगरानी बढ़ाई। लगातार प्रयास और स्थानीय स्तर पर जुटाई गई जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने चार अक्टूबर को करोलबाग इलाके से तीनों आरोपितों को उनके संभावित ठिकानों से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तीनों ने लूट की वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार की। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपितों ने इसके अलावा अन्य कितनी वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस के मुताबिक, तुलसी पहले भी डीबीजी रोड थाने में आर्म्स एक्ट के मामले में गिरफ्तार हो चुका है।